सुविचार

जिंदगी अगर अपने हिसाब से जीनी हैं तो कभी किसी के फैन मत बनो।

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

Published from Ranchi

Ranchi ● Thursday, 01 June 2023 ● Year : 01 ● Issue : 135 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

बिग बजट की फिल्मों में लीड रोल नहीं...

SHARE

सेंसेक्स	:	62,622.24
निफ्टी	:	18,534.40

SARAFA

सोना	:	5,740
चांदी	:	76.08

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

ज्ञानवापी पर मुस्लिम पक्ष की अर्जी इलाहाबाद हाईकोर्ट से खारिज

PRAYAGRAJ : ज्ञानवापी परिसर में श्रृंगार गौरी की नियमित पूजा का केस वाराणसी कोर्ट में चलता रहेगा। इस केस के खिलाफ मस्जिद कमेटी की पुनर्विचार याचिका को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बुधवार को खारिज कर दिया। वाराणसी की जिला अदालत भी पहले मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर चुकी है। श्रृंगार गौरी की नियमित पूजा की मांग 5 हिंदू महिलाओं ने की थी और वाराणसी कोर्ट में याचिका लगाई थी। इसके खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने हाईकोर्ट में अर्जी लगाई थी। इस पर जस्टिस जेजे मुनीर की सिंगल बेंच ने यह फैसला सुनाया। बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने 23 दिसंबर 2022 को फैसला सुरक्षित रख लिया था। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा, ₹बहुत ही ऐतिहासिक फैसला है, क्योंकि मुस्लिम पक्ष हमेशा दावा करता रहता था कि यह केस प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट फैक्ट से बाधित है। वाराणसी की सिविल कोर्ट ने 12 सितंबर को हमारे पक्ष में फैसला दिया था। वही बात आज इलाहाबाद हाईकोर्ट में भी जस्टिस जेजे मुनीर ने कही है। जिसमें उन्होंने होल्ड किया कि रिवीजन पिटीशन मेंटेनेबल नहीं है और अंजुमन इंतजामिया की पिटीशन डिसमिस कर दी।

PLFI के जोनल कमांडर जेठा कच्छप सहित तीन को उम्रकैद

RANCHI : अपर न्यायायुक्त एसएम सहजाद की अदालत ने बुधवार को प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के जोनल कमांडर जेठा कच्छप सहित तीन को हत्या के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनायी है। साथ ही तीनों पर दस-दस हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। इनमें पीएलएफआई के सदस्य जेबिर उरांव, मेघु भगत शामिल हैं। इसी मामले के दो आरोपित सुख मंगल भगत तथा सनिका उरांव फरार हैं जबकि तारकेश्वर गोप को साक्ष्य के अभाव में अदालत ने बरी कर दिया। मामले में जेठा कच्छप की ओर से अधिवक्ता ईश्वर दयाल ने बहस की। जेठा कच्छप वर्तमान में गोड्डा जेल में है। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए वह अदालत में पेश हुआ। मामले में छह आरोपित ट्रॉयल फेस कर रहे थे। मामला लापुंग थाना क्षेत्र का वर्ष 2011 का है।

नक्सलियों की साजिश विफल, 7 आईईडी बरामद

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जिले के टोन्टो थाना क्षेत्र के पटातारोब से तुम्बाहाका गांव जाने वाले रास्ते में सुरक्षा बलों को निशाना बनाने की साजिश को सुरक्षा बलों ने बुधवार को विफल कर दिया है। सुरक्षा बलों ने सात आईईडी बम बरामद किया है। सभी आईईडी को डिफ्यूज कर दिया गया है। बरामद आईईडी में चार-चार किलो का तीन, पांच किलो का एक, आठ-आठ किलो का तीन शामिल है। एसपी आशुतोष शेखर ने बुधवार को बताया कि प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, चमन, कांडे, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील है।

PM MODI ने की विश्वप्रसिद्ध जगतपिता ब्रह्मा मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, BRAHMA और वेद माता गायत्री की आरती उतारी

AGENCY AJMER : निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को विश्वप्रसिद्ध जगतपिता ब्रह्मा मंदिर में करीब बीस मिनट तक दर्शन और पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री के स्वागत को लेकर हेलीपैड से लेकर ब्रह्मा मंदिर तक फूलों से सजावट की गई। प्रधानमंत्री के यात्रा मार्ग को भगवा रंग से रंग दिया गया। ब्रह्मा मंदिर में पूजा-अर्चना के दौरान राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी भी साथ रहे। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को अजमेर दौरे पर दोपहर करीब तीन बजे वायुसेना के विमान से किशनगढ़ एयरपोर्ट पहुंचे और यहां से लगभग सवा तीन बजे सेना के हेलीकॉप्टर से पुष्कर के लिए रवाना हुए। किशनगढ़ एयरपोर्ट से रवाना हुए प्रधानमंत्री के तीन हेलीकॉप्टर पुष्कर में जाट विश्राम स्थली के पास निजी खातेदार की भूमि पर बने हेलीपैड पर उतरे। यहां से वे ब्रह्मा मंदिर पहुंचे। ब्रह्मा मंदिर के पुजारी कृष्ण गोपाल वशिष्ठ ने प्रधानमंत्री के आगमन पर उन्हें द्रविड़ शैली में बनी विशेष फूलों की माला पहना कर स्वागत किया। उन्हें साफा पहनाया गया। पुजारी वशिष्ठ ने जगतपिता ब्रह्मा और माता गायत्री के प्राचीन मंदिर के इतिहास के संबंध में जानकारी दी। इसके बाद षोडशोपचार के जरिए प्रधानमंत्री ने जगतपिता ब्रह्मा मंदिर में पूजा की। इसके बाद उन्होंने जगतपिता ब्रह्मा और वेद माता गायत्री की आरती उतारी। इसके बाद मंदिर के गर्भ गृह में जगतपिता ब्रह्मा और वेद माता गायत्री की प्रदक्षिणा की। पीएम के स्वागत में ग्रामीण क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ता और कालबेलिया नृत्यांगनाओं ने भाजपा के झंडे हाथ में लेकर जमकर डांस किया। ब्रह्मा मंदिर से 100 मीटर दूर कार्यकर्ता इकट्ठा हुए। हेलीपैड पर सांसद भागीरथ चौधरी, पुष्कर विधायक सुरेश रावत, पालिका अध्यक्ष कमल पाठक और विभिन्न मठों और संप्रदायों से जुड़े संतों ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी देश के चौथे ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो प्रधानमंत्री के पद पर रहते हुए पुष्कर पहुंचे हैं। देश के पूर्व तीन प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए तीर्थ नगरी पुष्कर पहुंचे और सरोवर पर पूजा अर्चना की।

राजस्थान के पुष्कर में ब्रह्मा मंदिर में पूजा-अर्चना करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ● एजेंसी

CONGRESS हर योजना में 85 प्रतिशत कमीशन खाने वाली पार्टी : PM MODI

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भ्रष्टाचार को कांग्रेस का असल चरित्र बताते हुए कहा कि कांग्रेस, हर योजना में 85 प्रतिशत कमीशन खाने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की रणनीति गरीबों को गुमराह करने की रही है। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को राजस्थान के अजमेर में एनडीए सरकार के नौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित जनसभा को संबोधित कर थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के 9 साल भी पूरे हो गए हैं। भाजपा सरकार के ये 9 साल देशवासियों की सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए समर्पित रहे हैं। कांग्रेस पर हमला करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भी माना था कि कांग्रेस सरकार 100 पैसे भेजती है तो उसमें से 85 पैसे भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाते थे। कांग्रेस, हर योजना में 85 प्रतिशत कमीशन खाने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में विकास के काम के लिए पैसे की कमी कभी भी नहीं रही है। लेकिन कांग्रेस ने अपने शासन में देश का खून चूसने वाली ऐसी भ्रष्ट व्यवस्था बना दी थी, जो देश के विकास को खाए जा रही थी। चुनावों में गारंटी देने को कांग्रेस की पुरानी आदत बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने 50 साल पहले गरीबी हटाने का वादा किया था, लेकिन गरीबों के साथ धोखा किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की रणनीति गरीबों को गुमराह करने की रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की गलत नीतियों का सबसे ज्यादा खामियाजा छोटे किसानों को भुगतना पड़ा। मोदी ने कहा कि 2014 से पहले देश में जनता भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़कों पर उतरी हुई थी। कांग्रेस सरकार सीमा पर सड़कें बनाने से भी डरती थी। बड़े-बड़े शहरों में आए दिन आतंकी हमले होते थे। प्रधानमंत्री के ऊपर सुपरपावर थी, कांग्रेस सरकार रिमोट कंट्रोल से चला करती थी। कांग्रेस की नीति रही है-गरीबों को भरमाओ,गरीबों को तरसाओ। राजस्थान के लोगों ने भी इसका बहुत बड़ा नुकसान उठाया है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया में भारत का यशगान हो रहा है। दुनिया के बड़े एक्सपर्ट्स ये बोल रहे हैं भारत अति गरीबी को समाप्त करने के बहुत निकट है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने वीरों के साथ भी हमेशा धोखा किया है। ये कांग्रेस ही है जो 'वन रैंक वन पेंशन' के नाम पर हमारे पूर्व सैनिकों से विश्वासघात करती रही।

पंचायत सदस्यों का मानदेय बढ़ा

CRIME कोर्ट के लिए पद स्वीकृत

सीएम हेमंत सोरेन कैबिनेट की बैठक में 39 प्रस्तावों को मिली स्वीकृति

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट की बैठक हुई। इस बैठक में 39 प्रस्तावों पर स्वीकृति प्रदान की गयी। आज की बैठक के महत्वपूर्ण फैसलों में त्रिस्तरीय पंचायत सदस्यों के मानेदय में बढ़ोत्तरी है। अब जिला परिषद के अध्यक्ष को 12 हजार, उपाध्यक्ष को 10 हजार, पंचायत समिति के प्रमुख को आठ हजार, उप प्रमुख को चार हजार, मुखिया को 25 सौ, उप मुखिया को 12 सौ रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलेंगे। वहीं दैनिक भत्ता 200 रुपये दिया जायेगा। यात्रा भत्ता में भी बदलाव किया गया है। अब 10 रुपये प्रति किलोमीटर दिया जायेगा। बैठक के निर्णयों के मुताबिक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में कार्यरत स्वीपर और माली को अब श्रम विभाग के नियम के अनुसार मानदेय का भुगतान किया जाएगा। वहीं राज्य के क्राइम कोर्ट में 75 स्थाई पद के सृजन को मंजूरी दी गयी है। यहां डिपोजिशन टाइपिस्ट की नियुक्ति होगी। पारा मेडिकल कर्मियों की नियुक्ति नियमावली में संशोधन हुआ है। राज्य के सभी पुस्तकालयों के विकास की योजना स्वीकृत की गयी है। कैबिनेट में इसके अलावा कई विभागों की नियुक्ति नियमावली में भी संशोधन किया गया।

जंगली जानवरों से नुकसान होने पर मिलेगा अधिक मुआवजा

कैबिनेट ने उस प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी है, जिसमें जंगली जानवरों से होने वाले जानमाल के नुकसान के बदले अधिक मुआवजा देने की बात कही गयी है। अब गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को डेढ़ लाख रुपये, साधारण रूप से घायल व्यक्ति को 25 हजार रुपये, स्थायी अपंग होने पर 325000 रुपये दी जायेगी। वहीं मौत होने की स्थिति में चार लाख रुपये दिये जायेंगे। मकान को नुकसान होने पर 120000 रुपये मिलेंगे।

सीवी रमन ग्लोबल यूनिवर्सिटी एक्ट को मंजूरी

कैबिनेट की बैठक में सीवी रमन ग्लोबल यूनिवर्सिटी एक्ट को मंजूरी दी गयी है। इसके साथ ही राज्य में निजी यूनिवर्सिटी की संख्या बढ़ जाएगी। पेयजल विभाग के अंतर्गत जलसहिया को एक स्मार्टफोन, दो साड़ी दी जायेगी। इसके लिए 39 .72 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। गिरिडीह अस्पताल में क्रिटिकल केयर यूनिट डेवलप करने के लिए 21 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

कैबिनेट के महत्वपूर्ण फैसले

- कैबिनेट में इसके अलावा कई विभागों की नियुक्ति नियमावली में भी संशोधन किया गया। सरिया अनुमंडलीय न्यायालय की स्थापना की मंजूरी दी गयी।
- रांची अंचल के नगड़ी के मुड़मा में बैंक ऑफ इंडिया के प्रशासनिक भवन के लिए 75 एकड़ भूमि 11 करोड़ रुपये शुल्क लीज पर दी गयी।
- झारखंड उत्पाद अधीनस्थ सेवा संवर्ग नियमावली 2013 में संशोधन किया गया।
- झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी गौरांग महत्व को दिए गए एक दंड को कैबिनेट में यथावत रखने का निर्णय लिया।
- विशेष शाखा में आरक्षी पद के लिए अनुसूचित नियमावली में संशोधन हुआ।
- भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में कार्यरत स्वीपर और माली को अब श्रम विभाग के नियम के अनुसार मानदेय का भुगतान किया जाएगा।
- राज्य के क्राइम कोर्ट में 75 स्थाई पद के सृजन की मंजूरी दी गयी।
- झारखंड राज्य पुलिस अवर निरीक्षक नियुक्ति नियमावली 2016 को निरस्त किया गया।
- श्रीकृष्ण लोक सेवा संस्थान को सचिवालय के संलग्न कार्यालय के रूप में शामिल करने की मंजूरी दी गयी।
- सहायक प्रशाखा पदाधिकारी इत्यादि पदों की स्वीकृति भी दी गयी।
- चांडिल में गेल के लिए 0.28 एकड़ जमीन को 30 साल के लिए देने की स्वीकृति।
- श्रम एवं नियोजन विभाग के नियमावली में संशोधन।
- झारखंड राज्य में कार्यरत सीआईएटी स्कूल के शिक्षकों के मानदेय में वृद्धि।
- डॉ श्वेता कुमारी, चिकित्सा पदाधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, लेस्लीगंज, पलामू को सेवा से बर्खास्त करने की स्वीकृति दी गई।
- रैसा जलाशय योजना के लिए रुपये 24460.025 लाख मात्र के प्रथम पुनरीक्षित प्राक्कलन की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

परीक्षण पूरे होने के बाद अगले माह से ऑपरेशनल होगा देश का पहला स्वदेशी विमानवाहक

INS VIKRANT पर पहली बार उतरा भारतीय नौसेना का एमएच-60 'ROMEO' हेलीकॉप्टर

AGENCY NEW DELHI : भारतीय नौसेना का एमएच-60 'रोमियो' हेलीकॉप्टर बुधवार को पहली बार देश के पहले स्वदेशी विमानवाहक आईएनएस विक्रांत पर उतारा गया। एमएच-60आर मल्टीरोल हेलीकॉप्टर है, जो खोज और बचाव के अलावा एंटी-सबमरीन और एंटी-शिप मिशन करने में सक्षम है। हाल ही में नौसेना के बेड़े में शामिल हुआ यह अमेरिकी हेलीकॉप्टर अब पूरी तरह से काम कर रहा है। इस हेलीकॉप्टर में नाइट विजन उपकरण, हेलिफायर मिसाइलें, एमके-54 टॉरपीडो और रॉकेट लगे हैं। देश के स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर 25 मई को भारतीय नौसेना ने मिग-29के विमान की पहली बार रात को लैंडिंग करके एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार किया है। इस चुनौतीपूर्ण नाइट लैंडिंग ट्रायल ने विक्रांत के चालक दल और नौसेना के पायलटों के संकल्प, कौशल और व्यावसायिकता को प्रदर्शित किया। धीरे-धीरे सभी ट्रायल होने के बाद अब आईएनएस विक्रांत पूरी तरह से चालू होने के करीब एक कदम आगे बढ़ गया है।

आईएनएस विक्रांत पर उतरता भारतीय नौसेना का हेलीकॉप्टर ● एजेंसी

'नाइट लैंडिंग' का हो चुका है सफल परीक्षण

देश के पहले स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर पिछले माह रात के समय कामोव 31 हेलीकॉप्टर उतार कर 'नाइट लैंडिंग' का सफल परीक्षण किया जा चुका है। सुरक्षा के लिहाज से यह काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि परीक्षण के दौरान स्वदेशी प्रकाश सहायक उपकरण और शिपबोर्न सिस्टम का इस्तेमाल किया गया, जो पूरी तरह सफल सिद्ध हुए। इससे पहले 06 फरवरी को 'एलसीए नेवी' की दिन में लैंडिंग और टेक ऑफ का परीक्षण किया जा चुका है। लड़ाकू विमानों के परीक्षण पूरे होने के बाद आईएनएस विक्रांत जून तक पूरी तरह से ऑपरेशनल हो जाएगा।

विधायक प्रदीप यादव को साथ लेकर उनके घर पहुंची ईडी, की छापेमारी

बुधवार को शाम में ईडी के ऑफिस पहुंचे थे प्रदीप

रांची के डोरंडा स्थित कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव का घर ● फोटोन न्यूज

CRIME REPORTER RANCHI : कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव बुधवार की शाम पांच बजे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रांची जोनल ऑफिस पहुंचे। ईडी के अधिकारियों ने थोड़ी देर उनसे पूछताछ की। जिसके बाद उन्हें उनके आवास पर लाया गया। उनकी मौजूदगी में उनके डोरंडा स्थित आवास में छापेमारी की। गौरतलब है कि मनी लाउंड्रिंग के आरोप में ईडी की टीम ने कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव सहित सात लोगों के 13 ठिकानों पर छापा मारा था। ईडी की टीम ने मंगलवार की सुबह रांची के छह, गोड्डा के चार और दुमका के तीन ठिकानों पर छापामारी की। छापामारी के दौरान गड़बड़ी व निवेश से संबंधित दस्तावेज मिले हैं।

प्रदेश भाजपा ने महासंपर्क अभियान के लिए जारी किए Missed Call Number

मिस्ड कॉल नंबर 9090902024 जारी किया, जिसके माध्यम से प्रदेश के नेता आम जनता से समर्थन प्राप्त करेंगे

PHOTON NEWS RANCHI : प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में बुधवार को पत्रकार वार्ता में एक माह तक चलने वाले महासंपर्क अभियान के कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही एक मिस्ड कॉल नंबर 9090902024 भी जारी किया, जिसके माध्यम से प्रदेश के नेता एवं कार्यकर्ता जनसंपर्क के दौरान मिस्ड कॉल कराकर लाभार्थियों, विशिष्ट परिवारों के साथ आम जनता से समर्थन प्राप्त करेंगे।

दीपक प्रकाश ने कहा कि मोदी सरकार नौ साल तक समावेशी विकास के साथ एक भारत श्रेष्ठ भारत बनाने के लिए समर्पित रही है। मोदी सरकार सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए समर्पित सरकार है, जिसने भारत का मस्तक दुनिया में ऊंचा किया है। आज केवल देश की 141 करोड़ जनता ही नहीं, बल्कि दुनिया के विभिन्न देशों में निवास कर रहे करोड़ों भारतीय भी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 60 वर्षों के शासनकाल में परिवार और खुद के विकास की राजनीति को महिमामंडित किया जबकि मोदी सरकार ने सबका साथ, सबका विकास की नई गाथा लिखी। प्रधानमंत्री ने जातिवाद, परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति को खत्म कर विकासवाद की राजनीति को प्रतिष्ठित किया। दीपक ने केंद्र सरकार की उपलब्धियां भी गिनाई।

भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं संपर्क अभियान के संयोजक डॉ प्रदीप वर्मा ने एक माह तक चलने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि झारखंड में जनसंपर्क अभियान को चार क्लस्टर में बांट कर 14 लोकसभा क्षेत्रों, 81 विधानसभा क्षेत्रों एवं 29464 बूथों के लिए कार्यक्रम की रचना की गई है। एक से 22 जून तक प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में विशिष्ट परिवारों, व्यक्तियों से संपर्क के कार्यक्रम होंगे।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते दीपक प्रकाश। ● द फोटोन न्यूज

दो और तीन जून को विधानसभा स्तर पर विकास तीर्थ कार्यक्रम आयोजित है ,जिसमें भाजपा सरकार द्वारा विकसित किए गए स्थलों एवं प्रमुख विकास कार्यों का सांसद, विधायक एवं लोकसभा स्तर पर नियुक्त टोली का भ्रमण होगा। चार जून को विधानसभा स्तर पर सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स मीट, पांच और छह जून को विधानसभा स्तर पर लाभार्थी सम्मेलन, साथ और आठ जून को पार्टी के वरिष्ठ कार्यकताओं के साथ भोजन, परिचर्चा कार्यक्रम होंगे।

उन्होंने कहा कि 10 और 11 जून को राज्य के प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में विशाल जनसभा का आयोजन होगा। 12 से लेकर 15 जून तक सभी विधानसभा क्षेत्र में पार्टी द्वारा सभी सात मोर्चों का संयुक्त सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित है। 15 जून को सभी लोकसभा क्षेत्र में पत्रकार वार्ता भी होगी। 16, 17 एवं 18 जून को लोकसभा स्तर पर व्यापारी सम्मेलन होगा। 19 और 20 जून को विधानसभा स्तर पर लाभार्थी सम्मेलन होंगे। 20 से 30 जून तक बूथ स्तर पर घर घर संपर्क अभियान चलाया जाएगा तथा मिस्ड कॉल नंबर पर समर्थन प्राप्त करेंगे। 21 जून महासंपर्क अभियान मंडल स्तर पर योग दिवस के लिए समर्पित है।

23 जून डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर प्रधानमंत्री डिजिटल रैली के माध्यम से बूथ स्तर पर कार्यकर्ता एवं जनता को संबोधित करेंगे। 25 जून को मन की बात का 102वां एपिसोड सुनने के साथ सभी विधानसभा क्षेत्र में प्रबुद्ध जन सम्मेलन आयोजित होगा। 30 जून को झारखंड के अमर क्रांतिकारी सिदो कान्हो के शहादत दिवस पर पार्टी भाजपा सरकार द्वारा अनुसूचित जनजाति के विकास के लिए किए गए कार्यों की चर्चा करेगी।

मुख्यमंत्री को मिशन लाइफ का बैज लगाया

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से बुधवार को झारखंड मंत्रालय में प्रधान मुख्य वन संरक्षक डॉ संजय श्रीवास्तव ने मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को मिशन लाइफ का बैज लगाया। साथ ही विभाग द्वारा मिशन लाइफ में किए जाने वाले प्रयासों से उन्हें अवगत कराया।

मुख्यमंत्री से मिले भारतीय तटरक्षक बल के IG

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बुधवार को झारखंड मंत्रालय में भारतीय तटरक्षक बल (कोस्ट गार्ड, उत्तर-पूर्व, क्षेत्रीय मुख्यालय, कोलकाता) के महानिरीक्षक (आईजी) इकबाल सिंह चौहान एवं कमांडेंट दीपक सिंह ने मुलाकात की।

भेंटवार्ता के क्रम में मुख्यमंत्री ने आईजी इकबाल सिंह चौहान से झारखंड में भारतीय तटरक्षक बल के कार्यों से संबंधित जानकारी ली तथा इस सेवा में झारखंड के कितने लोग शामिल हैं यह भी जाना। मुख्यमंत्री के समक्ष आईजी इकबाल सिंह चौहान ने कहा कि वर्तमान में कोस्ट गार्ड सेवा में झारखंड के लोगों की संख्या कम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय तटरक्षक बल झारखंड में भी अपने कार्यों का प्रचार-प्रसार करे तथा कोस्ट गार्ड सेवा में हमारे राज्य के लोगों को भी मौका मिले, इस निमित्त कार्य योजना तैयार करने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री की प्रधान सचिव वंदना डाडेल एवं सचिव विनय कुमार चौबे उपस्थित थे।

सीएम के साथ तटरक्षक बल के आईजी इकबाल सिंह चौहान । ● द फोटोन न्यूज

राज्यपाल ने सोहराई पत्रिका का किया विमोचन

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को राजभवन में रांची के क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय की पत्रिका सोहराई का विमोचन किया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ नितिन कुलकर्णी, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी, मनिता के. (भारतीय विदेश सेवा) सहित पासपोर्ट कार्यालय के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

लातेहार में टाना भगतों पर लाठीचार्ज करना और जेल भेजना साजिश : बंधु तिर्की

PHOTON NEWS RANCHI : प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि लातेहार जिला के कचहरी परिसर में 400 टाना भगतों पर विगत दस अक्टूबर 2022 को लाठीचार्ज करना गलत था। लातेहार जिला प्रशासन ने इस पूरे मामले को साजिश के तहत अंजाम दिया।

तिर्की बुधवार को रांची स्थित प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण तरीके से टाना भगत धरना दे रहे थे। इसी बीच प्रशासन ने बर्बरतापूर्वक लाठियां बरसाईं। इसमें 40 टाना भगतों को गिरफ्तार कर लिया गया, ये गलत है। उन्हें राज्य के विभिन्न जिलों के जेलों में रखा गया है। साथ ही 200 नामजद और 300 अज्ञात अभियुक्तों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने लातेहार प्रशासन से पूछा कि क्या धरना दे रहे टाना भगत कोई किर्मिनल हैं। हत्यारे हैं या उग्रवादी हैं?

रांची स्थित प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता में बोलते बंधु तिर्की । ● द फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि टाना भगत का इतिहास रहा है। वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के साथ देश की आजादी में अपनी महत्ती भूमिका निभायी है। ये हमेशा शांतिपूर्वक और अहिंसात्मक आन्दोलन के पक्षधर रहे हैं। इस आन्दोलन को बहुत सोची समझी साजिश के तहत गलत दिशा में ले जाया गया। तिर्की ने कहा कि आज इन गांव में एक भी सामाजिक अगुवा नहीं बचा है। जेल में बन्द टाना भगतों से मिलने से लोग कतरा रहे हैं। टाना भगतों के साथ इस तरह की कार्रवाई चिन्ता का विषय है।

सभी के लिए प्रेरणादायी है देवी अहिल्याबाई का जीवन चरित्र : केंद्रीय मंत्री तोमर

PHOTON NEWS GWALIOR : केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि न्याय की देवी माता अहिल्याबाई होल्कर मानव सेवा, समर्पण, भाईचारा, धर्म परायणता और न्याय प्रियता की प्रतिमूर्ति थीं। उनका जीवन चरित्र सभी के लिए प्रेरणादायी और अनुकरणीय है। वे ऐसी मातृ शक्ति थीं, जिनका सम्मान देश ही नहीं दुनियाभर में होता है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री तोमर बुधवार को यहां रामलीला मैदान मुरार में देवी अहिल्याबाई होल्कर की 298वीं जयंती के उपलक्ष्य में पाल-बघेल समाज द्वारा आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर हरी झण्डी दिखाकर वाहन रैली को रवाना किया। तोमर ने कहा कि अपने राज्यकाल में देवी अहिल्याबाई ने न्याय प्रियता की मिसाल कायम की। उन्होंने न्याय के लिए अपने पुत्र का जीवन भी दांव पर लगा दिया था। धर्मपरायण देवी अहिल्याबाई ने काशी विश्वनाथ मंदिर की पुनर्स्थापना के साथ-साथ कई देवालय व धर्मशालाओं का निर्माण कराया।

बाबूलाल मरांडी ने झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग को लेकर उठाए सवाल

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष और एक सदस्य की भूमिका को लेकर सवाल उठाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का भी ध्यान आकृष्ट कराते हुए आयोग के रवैये से सरकार की बदनामी होने की बात कही है।

सोशल मीडिया के माध्यम से बाबूलाल ने बुधवार को कहा कि झारखंड में एक ही आयोग का अब तक गठन हुआ है- झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग। इसका काम कायदे से उन बच्चों के हित में काम करना है, जिन्हें सुरक्षा की आवश्यकता है लेकिन आयोग से दो लोग अध्यक्ष और एक सदस्य एक के बाद एक रांची के सभी प्रतिष्ठित स्कूल में जा रहे हैं। वे ऐसे स्कूलों में जा रहे हैं, जहां पहले से ही बच्चे सुरक्षित हैं। ऐसे प्रतिष्ठित स्कूलों में जाने का क्या औचित्य है? मुख्यमंत्री को चाहिए कि वे इस पर संज्ञान लें।

झारखंड में एक ही आयोग का अब तक गठन हुआ है- झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण

बाबूलाल मरांडी ने राज्य भर में विधायक प्रदीप यादव सहित अन्य के ठिकानों पर 30 मई को हुई ईडी की छापेमारी को लेकर भी अपनी बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रखी है। उन्होंने कहा है कि छापेमारी में ह्लसाहबह्व के बहुत खास लोगों के यहां से कई अचल सम्पतियों के महत्वपूर्ण दस्तावेज, कई लाख रुपये नकदी और कई पैन ड्राइव मिले हैं। चाहे जो भी हो लेकिन झारखंड को अंधेर नगरी बना दिया गया है।

सभी परिवारों को सरकार की ओर से तीन-तीन डिसमिल आवासीय भूमि बंदोबस्त की गयी है

CM के निर्देश पर 10 मुसहर परिवारों के बीच जमीन पट्टा का वितरण

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निदेर्शानुसार पलामू के नीलांबर-पीताम्बरपुर प्रखंड के नौडीहा पंचायत स्थित कोइरीपतरा गांव में 10 मुसहर परिवार के बीच आवासीय भूमि का पट्टा वितरण किया गया। सभी परिवारों को सरकार की ओर से तीन-तीन डिसमिल आवासीय भूमि बंदोबस्त की गयी है। अब मुसहर परिवार आवंटित भूमि पर अपना घर बनाकर रह सकेंगे। साथ ही घर बनाने के लिये सभी मुसहर परिवार को अंबेडकर आवास योजना से जल्द लाभान्वित किया जायेगा।

मुसहर परिवारों का आधार कार्ड बनवाने का निर्देश : मुख्यमंत्री के निर्देश पर वैसे मुसहर परिवार जिनका अबतक आधार कार्ड नहीं बना है, उनको चिन्हित करते हुए सभी का आधार कार्ड बनाया जायेगा। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने सभी परिवार को सरकारी योजनाओं यथा सर्वजन पेंशन योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना आदि से लाभान्वित करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री के आदेश के आलोक में जिले के अन्य स्थानों में रह रहे मुसहर परिवारों को भी चिन्हित कर उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

उपायुक्त द्वारा दिया जा रहा जमीन पट्टा। ● द फोटोन न्यूज

इस संबंध में पलामू के उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे ने कहा कि मुख्यमंत्री के आदेश पर मुसहर परिवारों को भूमि का पट्टा एवं सरकार की विभिन्न योजनाओं से लगातार जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में मुसहर परिवारों को भूमि का पट्टा वितरित किया गया।

BRIEF NEWS

वित्त मंत्री से मिले सहयोगी शिक्षक, स्वीकृत प्रस्ताव पर कैबिनेट से मुहर लगाने की गुहार

MADNINAGAR : झारखंड राज्य सहयोगी-सामुदायिक समन्वय समिति का प्रतिनिधिमंडल राज्य के वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव से बुधवार को रांची में मिलकर सहायक अध्यापकों के विभिन्न समस्याओं को रखा। नेतृत्व में पलामू निवासी प्रदेश अध्यक्ष विनोद तिवारी ने किया। प्रतिनिधिमंडल ने वित्त मंत्री से कहा गया कि स्वर्गीय शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के द्वारा स्वीकृत प्रस्ताव उनकी स्वीकृति मिलने के बाद कैबिनेट से स्वीकृति के लिए चला गया है। पारित प्रस्ताव के अनुसार सहयोगी शिक्षकों की सेवानिवृत्ति या मृत्यु के पश्चात 5 लाख मिलेगा। मरने के बाद आश्रितों को अनुकंपा का लाभ मिलेगा। इपीएफ कटेगा और सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन मिलेगा। विशेष रुप से आग्रह है कि जिन सहयोगी शिक्षकों की मौत हो रही है, उनका परिवार बेसहारा, लाचार और असहाय होकर चौराहे पर आ रहा है। यह बहुत ही दर्दनाक, भयावह और असहनीय स्थिति है। इस प्रस्ताव को जल्द कैबिनेट की स्वीकृति दिलाई जाए। दूसरा बिंदु कल्याण कोष है, जो हम लोगों के लिए बहुत जरूरी है। आकलन परीक्षा से वंचित लगभग 4 हजार सहायक अध्यापकों को परीक्षा फॉर्म भरने की मंजूरी दी जाए। सेवा संपुष्टि के बाद जनवरी माह से ही 4 प्रतिशत मानदेय वृद्धि लागू है, लेकिन जिला एवं प्रखंड के पदाधिकारियों की लापरवाही के कारण इसका लाभ नहीं मिल रहा है। विभाग के द्वारा इन पर दबाव देकर भुगतान कराया जाए। टेट विसंगति का समाधान कर दिया गया है। समाधान की चिट्ठी भी निर्गत हो गई है, लेकिन पत्र के आदेश के अनुसार सभी जगह मानदेय नहीं दिया जा रहा है। यह पदाधिकारियों की घोर लापरवाही है।

हेमंत सोरेन पटना में विपक्षी दलों की बैठक में होंगे शामिल

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों की मुहिम को लेकर 12 जून को पटना में आयोजित बैठक में शामिल होंगे। यह बैठक बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में होगी। इस बैठक में देशभर के करीब 20 गैर भाजपा राजनीतिक दलों के नेताओं के हिस्सा लेंगे। बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी शामिल होंगे। विपक्षी एकता को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री एवं राजद नेता तेजस्वी यादव हाल ही में रांची आये थे।

रांची में नमो क्रिकेट कैंप का उद्घाटन आज

RANCHI : दस दिवसीय नमो क्रिकेट कैप का उद्घाटन एक जून को झारखंड सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास करेंगे। इस दौरान सांसद संजय सेठ और विधायक समरी लाल भी मौजूद रहेंगे। कैंप का आयोजन एक जून से 10 जून तक कांके स्थित शारदा ग्लोबल स्कूल बुकरू में होगा। यह कैंप बिहार-झारखंड के भूतपूर्व रणजी खिलाडी प्रदीप खन्ना के मार्गदर्शन में संपन्न होगा। यहां बच्चों को क्रिकेट के बेहतर गुर सिखाया जाएंगे। साथ ही नवोदित अंडर 17 क्रिकेटरों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। खेल के संयोजक संजय पोद्दार ने बुधवार को बताया कि रांची के विभिन्न स्कूलों के 50 बच्चों का चयन किया गया है।

भाजपा पहले पद देती है और बाद में अपमानित करती है : प्रदीप बलमुचू

KHUNTI : आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रदीप बलमुचू ने कहा कि केंद्र सरकार ने नये संसद भवन के उद्घाटन में राष्ट्रपति को नहीं बुलाकर उनका अपमान किया है। उप राष्ट्रपति की भी उपेक्षा की गई। कांग्रेस पार्टी लोगों को बताएगी कि भाजपा पहले पद देती है और बाद में अपमानित करती है। उन्होंने बुधवार को यहां आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पूरे विपक्ष ने इसका विरोध किया और उद्घाटन में शामिल नहीं हुआ। इसका एक ही कारण है कि संसद लोकसभा, राज्यसभा और राष्ट्रपति के मिलने से बनती है। दोनों का कस्डोडियन राष्ट्रपति के पास होता है। राष्ट्रपति सबसे प्रमुख व्यक्ति है। उन्होंने कहा कि देश में महिला पहलवान हों या महिला राष्ट्रपति का सम्मान नहीं है। आरक्षण रोस्टर में खूंटी सहित सात जिलों में ओबीसी की संख्या शून्य किये जाने के संबंध में कांग्रेस नेता ने कहा कि इस मुद्दे को आगे बढ़ाया जायेगा। मुख्यमंत्री से मिलेंगे और सुधार की मांग करेंगे।

मणिपुर के सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयासों में मदद करने के लिए डॉक्टरों की कई टीमों को किया रवाना

NEW DELHI : मणिपुर के प्रभावित क्षेत्रों के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने तुरंत प्रभाव से डॉक्टरों की कई टीमों को मणिपुर भेजा है। बुधवार को मणिपुर में तुरंत राहत पहुंचाने के मकसद से केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने डॉक्टरों की छह अलग-अलग टीमों को मणिपुर भेजा है। डॉक्टरों की छह टीमों में सर्जरी, मनोरोग, चिकित्सा, प्रसूति एवं स्त्री रोग, बाल चिकित्सा, मूत्र विज्ञान और आपातकालीन स्वास्थ्य देखभाल में विशेषज्ञता रखने वाले चार डॉक्टर शामिल हैं। डॉक्टरों की ये टीम मणिपुर सरकार को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने में मदद करेंगी, जो वहां जारी संघर्ष के कारण बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इन टीमों में एम्स कल्याणी, एम्स गुवाहाटी और एनईआईजीआरआईएमएस शिलांग के डॉक्टर शामिल हैं।

दिव्यांगजन भी अब पीएम के मन की बात से जुड़ सकेंगे कार्यक्रम के सभी संस्करण ब्रेल लिपि में भी होंगे उपलब्ध

NEW DELHI : दिव्यांगजन भी अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात से जुड़ सकेंगे। मन के बात के सभी संस्करण को ब्रेल लिपि में भी में उपलब्ध कराने की तैयारी चल रही है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के तहत देहरादून में स्थापित नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर द इम्पावरमेंट ऑफ पर्सन्स विद विजुअल डिसेबिलिटीस के केन्द्रीय बेल प्रेस में 99 वें संस्करण को ब्रेल में तैयार किया गया है। केन्द्रीय ब्रेल प्रेस के प्रभारी मोहम्मद आई अहमद ने बताया कि मन की बात कार्यक्रम के सभी संस्करणों को ब्रेल में उपलब्ध कराने के निर्देश मिले हैं। इसके तहत फिलहाल 99वें संस्करण को ब्रेल में उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने बताया कि 99वें संस्करण को 20 पेज में तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि इससे अब दृष्टिबाधित दिव्यांगजन को प्रधानमंत्री की मन की बात से जोड़ा जा सकेगा। उन्होंने बताया कि मन की बात कार्यक्रम के अलावा मतदाता सूची के कार्ड भी ब्रेल लिपि में बनाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रेस का उद्देश्य ही दिव्यांगजन के सामाजिक, आर्थिक और मानसिक विकास की दिशा में काम करना है। इसके लिए यहां धर्म ग्रंथ, विभिन्न पाठ्यक्रमों की भी पुस्तकें व किसी लेखकों द्वारा विभिन्न विषयों पर लिखी गई पुस्तकों को भी ब्रेल लिपि में अनुवाद कर देश के विभिन्न संस्थानों व दृष्टि बाधितों को उपलब्ध कराता है।

BRIEF NEWS

रांची में सड़क दुर्घटना में एक की मौत

RANCHI : रांची के खरसीदाग ओपी क्षेत्र के डुंगरी मुरुंगटाली रिंग रोड पर सड़क दुर्घटना में बुधवार को एक युवक की मौत हो गयी। युवक की शिनाख्त बादल कुमार साहू (23) के रूप में की गयी है। बताया गया कि बादल बाइक से तमाड़ की ओर जा रहा था। इसी क्रम में एक कार ने उसे टक्कर मार दी। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। मामले की जांच की जा रही है।

रांची में हथियार के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

RANCHI : जिले की तमाड़ थाना पुलिस ने हथियार के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों में समीर स्वांसी और धीरज कुमार दास शामिल हैं। इनके पास से एक देशी पिस्टल, एक देशी कट्टा और एक बाइक बरामद किया गया है। यह जानकारी बुधवार को ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने दी।

जगन्नाथ मेला परिसर की नीलामी को लेकर सीएम से शिकायत

RANCHI : जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान मेला परिसर की 31 लाख रुपये नीलामी को लेकर लगातार विरोध हो रहा है। बुधवार को ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव के प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी लाल प्रवीर नाथ शाहदेव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। पूरी स्थिति से अवगत कराया। मुख्यमंत्री से निविदा रद करने का अनुरोध किया। सीएम ने प्रतिनिधिमंडल से आश्वस्त किया कि मामले की जानकारी लेकर कार्रवाई की जाएगी। प्रतिनिधियों ने सीएम के अलावा विधि विभाग के प्रधान सचिव नलिन कुमार को भी ज्ञापन सौंपा।

मछली पालन का प्रशिक्षण लेने आए व्यक्ति की मौत

RANCHI : धुर्वा थाना क्षेत्र के मौसी बाड़ी के समीप स्थित पुराना बस डिपो के पास बुधवार को एक व्यक्ति बेहोशी की हालत में मिला मामले की जानकारी धुर्वा पुलिस को हुई पुलिस उस व्यक्ति को लेकर पारस हॉस्पिटल इलाज के लिए ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में मृतक के भतीजा जागेश्वर मुंडा ने धुर्वा थाना में लिखित आवेदन दिया है अपने लिखित आवेदन में जागेश्वर मुंडा ने लिखा है कि 29 मई को चाचा कीनू बेदिया और सहज नाथ बेदिया के साथ मछली पालन का ट्रेनिंग लेने के लिए मत्स्य विभाग के शालीमार बाजार स्थित प्रशिक्षण केंद्र में आए थे । तीनों रामगढ़ जिले के जुमरा गांव के निवासी हैं। बुधवार को प्रतिदिन की भांति मछली पालन का प्रशिक्षण चल रहा था। इस बीच चाचा कीनू बेदिया प्रशिक्षण के बीच से पेशाब करने के लिए बाहर निकला। उसके बाद वापस लौट कर नहीं आया । प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद मैं और सहजनाथ बेदिया कीनू वेदिया को आसपास में खोजने लगे। इस बीच लोगों ने बताया कि एक व्यक्ति बेहोशी की हालत में बस डिपो के समीप पड़ा हुआ है। हम लोग जब वहां पहुंचे तो पता चला कि पुलिस उसे इलाज के लिए पारस हॉस्पिटल में ले गई है। हम लोग भी पारस हॉस्पिटल पहुंचे जहां डॉक्टरों ने चाचा कीनू को मृत घोषित कर दिया । आवेदन में उसने लिखा है कि कीनू बेदिया सुबह से ही बेचैनी महसूस कर रहा था। और बेचैनी के कारण ही प्रशिक्षण सेंटर से बाहर निकल गया था।

atomy
ATOMY INDIA
RANCHI TEAM WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

LOVE JIHAD : रांची के तनवीर ने यश बनकर बिहार की MODEL को फंसाया, महिला ने PM MODI व CM हेमंत सोरेन से मांगी मदद

CRIME REPORTER RANCHI : झारखंड में लव-जिहाद का सनसनीखेज मामला सामने आया है। दरअसल, मुंबई में रहने वाली बिहार की मॉडल मानवी राज सिंह ने आरोप लगाया है कि रांची में ग्रूमिंग इंस्टीट्यूट चलाने वाले तनवीर ने यश बनकर उसे झूठे प्रेम जाल में फंसाया। बाद में उससे शादी करने के लिए धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाने लगा। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, मॉडल का आरोप है कि वर्ष 2021 से तनवीर अख्तर खान ने कई बार उसका बलात्कार किया। अब उसे ब्लैकमेल कर रहा है। तनवीर रांची का रहने वाला है। वह रांची में ही मॉडलिंग इंस्टीट्यूट चलाता है। मॉडल ने मुंबई में तनवीर के खिलाफ प्राथमिकी कराई। उसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन से भी मदद मांगी है। इधर, रांची के एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि रांची में केस दर्ज कर लिया गया है। जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

आरोपी तनवीर अख्तर खान व मॉडल मानवी राज सिंह की फाइल फोटो।

मॉडल का पीछा करते हुए मुंबई तक पहुंचा तनवीर : मॉडल का आरोप है कि उसे प्रताड़ित करने के लिए तनवीर मुंबई तक पहुंच गया। वहां भी उसने मानवी पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव डालना शुरू कर दिया। तनवीर चाहता था कि भागलपुर की रहने वाली मॉडल धर्म बदलकर उसके साथ शादी कर ले। मॉडल ने जब ऐसा करने से इंकार कर दिया, तो उसने उसे जान से मारने की भी कोशिश की, ऐसा मॉडल का आरोप है। मॉडल ने मुंबई के वसोर्वा पुलिस स्टेशन में इसकी शिकायत दर्ज करवा दी है। एएनआईके मुताबिक, इस केस को रांची पुलिस को भी ट्रांसफर कर दिया गया है। मॉडल का आरोप है कि होली के दिन तनवीर ने उसे नशीला पदार्थ खिलाकर उसकी कुछ आपत्तिजनक तस्वीरें ले लीं। उन्हीं तस्वीरों के जरिये उसे ब्लैकमेल कर रहा है। वह उसे लगातार धमका रहा है। मॉडल ने सोशल मडिया पर एक वीडियो अपलोड करके पीएम नरेंद्र मोदी और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सुरक्षा की गुहार लगायी है। फिलहाल, पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

भागलपुर की रहने वाली है मॉडल

मुंबई में काम करने वाली मॉडल मानवी राज सिंह बिहार के भागलपुर की रहने वाली है। मानवी राज सिंह वर्ष 2020 में रांची में एक मॉडलिंग कंपनी के संपर्क में आयी थी। वहीं, एक व्यक्ति से उसकी मुलाकात हुई, जिसने अपना नाम यश बताया। उसने मानवी को अपने यहां नौकरी पर रख लिया। पहले दोनों के बीच दोस्ती हुई। फिर यश ने मॉडल पर धर्म परिवर्तन और शादी करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। मॉडल को जब पता चला कि यश दरअसल में यश नहीं, तनवीर अख्तर खान है, तो उसने उससे दोस्ती खत्म कर दी। लेकिन, तनवीर ने उसे परेशान करना शुरू कर दिया। तनवीर अख्तर खान से बचने के लिए वह मुंबई लौट गयी।

मुंबई में मामला दर्ज

महिला मॉडल द्वारा बलात्कार का आरोप लगाने के बाद तनवीर अख्तर खान के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मुंबई के वसोर्वा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 376(2)(एन), 328,506,504,323 और आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत मामला दर्ज किया गया है। दरअसल, पीड़िता ने 29 मई को वसोर्वा पुलिस स्टेशन में मुंबई में शिकायत दर्ज कराई थी। चूंकि घटना रांची में हुई थी, इसलिए यह मामला रांची पुलिस को स्थानांतरित कर दिया गया था। इस मामले को लेकर रांची एसएसपी किशोर कौशल ने कहा कि उचित प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और इस मामले की जांच कर रहे हैं। आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिनेश गोप ने जमीन में गाड़कर छिपा रखी थी अपनी जिप्सी, पुलिस ने निकाला

पीएलएफआई सुप्रीमो की गिरफ्तारी के बाद लगातार हो रहे खुलासे

CRIME REPORTER RANCHI : टेरर फंडिंग के मामले में गिरफ्तार उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के सुप्रीमो दिनेश गोप से राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने आठ दिनों तक पूछताछ की। पूछताछ में संगठन के कारनामे लगातार उजागर हो रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को जिले के रनिया थाना के गरई स्थित विद्या विहार पब्लिक स्कूल परिसर में ही जमीन के अंदर गाड़ कर छिपाए गए एक जिप्सी वाहन को बरामद किया गया। अभियान के दौरान बम निरोधक दस्ते के साथ झारखंड जगुआर और एसटीएफ की टीम मौजूद रही। पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने बुधवार को पत्रकारों को बताया कि गरई गांव के इस स्कूल का निर्माण दिनेश गोप ने ही कराया था। बताया गया कि पहले दिनेश गोप उसी जिप्सी वाहन से क्षेत्र में घूमा करता था। दिनेश गोप की तलाश में जुटी पुलिस टीम को जब उसके उक्त वाहन का पता चल गया तो वाहन को छिपाने की नीयत से लगभग आठ वर्ष पूर्व उसे स्कूल परिसर में जमीन के नीचे दफन कर दिया गया था। दिनेश गोप की गिरफ्तारी से पूर्व तक रनिया का यह इलाका दिनेश गोप का गढ़ हुआ करता था। उन्होंने बताया कि दिनेश गोप ने वर्षों पूर्व लातेहार क्षेत्र से मंगाए गए इस जिप्सी वाहन को जंगली क्षेत्र में दूर से नजर ना आ सके इसलिए वाहन को गहरे हरे रंग में रंग दिया गया था। इस जिप्सी वाहन में दिनेश गोप अपने हथियारबंद दस्ते के साथ क्षेत्र में घूमा करता था। बताया गया कि संगठन के विरुद्ध पुलिस का दबाव बढ़ने पर लगभग आठ-नौ वर्ष पूर्व उक्त जिप्सी वाहन को वहां जमीन में गाड़ कर छिपा दिया गया था। छापामार टीम द्वारा चलाए गए सर्च अभियान के दौरान बीडीडीएस टीम के सहयोग से उक्त स्थल को चिह्नित कर जब वहां खुदाई की गई तो वहां से जर्जर अवस्था में जिप्सी बरामद हुई। पुलिस सूत्रों के अनुसार गरई गांव में जिस स्कूल के सामने जमीन में दफन दिनेश गोप की जिप्सी बरामद हुई, उस स्कूल का निर्माण दिनेश गोप ने ही कराया था। ज्ञात हो कि दिनेश गोप के टेरर फंडिंग में गिरफ्तारी के बाद पीएलएफआई संगठन के खिलाफ पुलिस को लगातार सफलता मिल रही है। इससे पूर्व 24 मई को रनिया के कोटांगेर और गोहारोम जंगल में जमीन में गाड़ कर छिपाई गई जर्मन राइफल और एके 47 राइफल की 4320 गोलियां सहित अन्य अग्नेयास्त्र, विस्फोटक पदार्थ और अन्य सामान खूंटी जिला पुलिस द्वारा बरामद किया गया था। इस दौरान उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के दो सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया था। इसके दो दिन पूर्व सोमवार की रात भी जरियागढ़ थाना के मधुवन जंगल से जेल में बंद पीएलएफआई के जोनल कमांडर तिलकेश्वर गोप उर्फ राजेश गोप का निजी हथियार मैगजीन लगी एके-56 राइफल और 27 गोलियों के साथ पीएलएफआई के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार उग्रवादियों की निशानदेही पर रनिया के कोचा जंगल से पीएलएफआई संगठन द्वारा गन फैक्ट्री के लिए मंगाई गई हथियार बनाने वाली एक लेथ मशीन और एक मिलिंग मशीन को भी पुलिस ने बरामद किया।

बरामद जिप्सी, इसी में हथियारबंद दस्ते के साथ घूमता था दिनेश गोप ● फोटोन न्यूज

फायरिंग का आरोपी धराया देशी कट्टा व गोली बरामद

प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी देते रांची के सिटी एसपी शुभांशु जैन ● फोटोन न्यूज

CRIME REPORTER RANCHI : हिंदपीढ़ी थाना पुलिस ने फायरिंग मामले के आरोपी तल्हा उर्फ मोहम्मद शाहेब उर्फ विपिन (22) को गिरफ्तार किया है। किसके पास से एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। सिटी एसपी शुभांशु जैन ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 29 मई को पारिवारिक विवाद को लेकर फायरिंग की घटना को हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र के खेत मुहल्ला में अंजाम दिया गया था। सिटी एसपी ने बताया कि तल्हा उर्फ मोहम्मद शाहेब ने परिवारिक विवाद में सुबह में मोहम्मद शान हथियार तान दिया था। उसी दिन रात को मोहम्मद शान के भाई मोहम्मद इरफान पर भी लेक रोड स्थित छाता मस्जिद के सामने गोली चला दिया। फायरिंग में मोहम्मद इरफान बाल-बाल बच गया। गोली चलाने के बाद वहां भीड़ लगने लगी। लोगों की भीड़ को देखते हुए आरोपी वहां से भाग गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने कार्रवाई करते हुए बड़ा तलाब छठ घाट के समीप से आरोपित को हथियार के साथ गिरफ्तार किया। इस संबंध में डेली मार्केट थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। पूछताछ में आरोपी ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि फायरिंग करने के बाद शिवाजी चौक हिंदपीढ़ी होते हुए बड़ा तालाब की ओर भाग गया था। इस दौरान पुलिस के डर से फायरिंग किये हुए हथियार को उसने बड़ा तालाब में फेंक दिया। एसपी ने बताया कि बड़ा तालाब सर्च करने पर हथियार नहीं मिला।

सूचना अधिकार का पालन न करने पर दर्ज हुआ शिकायतवाद

PHOTON NEWS RANCHI : सूचना अधिकार कार्यकर्ता दीपेश कुमार निराला के द्वारा लगाए गए सूचना आवेदन पर झारखंड स्टेट बार कौंसिल के जन सूचना पदाधिकारी रविंद्र साहनी ने 30 दिनों के निर्धारित समयावधि पर कोई भी सूचना उपलब्ध नहीं कराया और ना ही कोई रिप्लाई दिया, जिस पर आवेदक ने नियमानुसार प्रथम अपीलीय प्राधिकारी सह सचिव झारखंड स्टेट बार कौंसिल राजेश पांडेय के पास सूचना दिलवाने के लिए प्रथम अपील प्रेषित किया, जिस पर उन्होंने आवेदक को कोई रिप्लाई नहीं दिया। आवेदक दीपेश निराला ने नियमानुसार धारा-18 के अंतर्गत झारखंड राज्य सूचना आयोग में दोनों

- झारखंड स्टेट बार कौंसिल के सचिव सह प्रथम अपीलीय प्राधिकारी राजेश पांडेय और जन सूचना पदाधिकारी रविंद्र साहनी के विरुद्ध दर्ज हुआ शिकायतवाद
- जन सूचना पदाधिकारी ने 30 दिनों में सूचना नहीं दी और ना ही प्रथम अपीलीय प्राधिकारी ने

पदाधिकारियों के विरुद्ध शिकायतवाद (कंप्लेन केस) दर्ज कराया और कहा कि कानून से संबंधित स्टेट्यूटरी बाडी द्वारा ही केंद्रीय अधिनियम सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 का अनुपालन नहीं होना काफी गंभीर मामला है।

रिम्स में इलाज के दौरान चाईबासा के विचाराधीन कैदी की मौत

RANCHI : रिम्स में इलाज के दौरान पश्चिम सिंहभूम जिले के गुंडीउली गांव निवासी विचाराधीन कैदी इलियास बरजो की मौत हो गई। इलियास मंडल कारा चाईबासा का कैदी था। तबीयत खराब होने के बाद कारा चिकित्सक की अनुशंसा पर उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल चाईबासा भेजा गया था। जहां से बेहतर इलाज के लिए एमजीएम जमशेदपुर भेजा गया। वहां के चिकित्सक के द्वारा इलियास को रिम्स रेफर कर दिया गया था। इलियास को बेहतर इलाज के लिए 15 मई को रिम्स में भर्ती किया गया था। जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। चाईबासा मंडल कारा के अधीक्षक ने रिम्स के चिकित्सा अधीक्षक को पत्र लिख मजिस्ट्रेट की निगरानी में पोस्टमार्टम कराने का आग्रह किया है।

सोनाहातू में हथियार के बल पर शराब दुकान में लूट

शराब और सूमो कार बरामद, आरोपी की तलाश में पुलिस कर रही छापेमारी

CRIME REPORTER RANCHI : सोनाहातू थाना पुलिस ने सरकारी शराब की दुकान में लूटपाट के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए लुटे गए शराब और सूमो गाड़ी बरामद किया है। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को अहले सुबह चार बदमाश टाटा सुमो गाड़ी से सोनाहातू थाना क्षेत्र के पंचायत बारेंदा स्थित शराब दुकान पहुंचे। अपराधियों ने वहां तैनात गार्ड हरिहर महतो को हथियार के बल पर बंधक बनाया। इसके बाद शराब की दुकान का शटर तोड़कर महंगी शराब और लॉकर को लेकर टाटा रोड की ओर भाग निकले। घटना के बाद गार्ड हरिहर महतो ने सोनहातू थाना प्रभारी सतीश वर्णवाल माल को मामले की जानकारी फोन पर दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गाड़ी का पीछा करने लगी। थाना प्रभारी सतीश वर्णवाल ने मामले की जानकारी इंचागढ़ थाना को दी। इंचागढ़ थाना ने तत्काल बेरिकेड लगाया। घटना के लगभग 30 मिनट के अंदर पुलिस ने लूटी गई शराब को बरामद किया। हालांकि, अंधेरे का फायदा उठाकर लुटेरे चलती सूमो गाड़ी से कूद कर भाग गए। बिना ड्राइवर चलती सूमो सीधे आकर सोनाहातू थाना प्रभारी सतीश वर्णवाल की गाड़ी से टकराकर रुकी। पुलिस वाहन के ड्राइवर ने किसी तरह अपने वाहन को कंट्रोल किया और वाहन में सवार थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिसकर्मियों की जान बची। एसडीपीओ अजय कुमार ने बुधवार को बताया फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

लूटकांड का खुलासा, एक गिरफ्तार

पिठौरिया थाना पुलिस ने लूटकांड का खुलासा करते हुए 12 मोबाइल के साथ एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी का नाम इकबाल अंसारी है। वह लोहरदगा के पेशरार का रहने वाला है। इसके पास से घटना में प्रयोग किया गया एक पल्सर बाइक और सात लूट के मोबाईल सहित अन्य छह मोबाइल कुल 12 मोबाईल फोन बरामद किया गया है। ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि 28 मई को रातू निवासी पंकज कुमार दूबे ने हथियार का भय दिखाकर सात मोबाइल और चार हजार 500 रुपये लूटने को लेकर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। मामले को लेकर एएसपी मुमल राजपुरोहित के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया। टीम ने आरोपित को तकनीकी शाखा के सहयोग से रांची के जगरनाथपुर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया। इसकी निशानदेही पर पांच अन्य लूटे गये मोबाईल को अन्य स्थानों से बरामद किया गया। गिरफ्तार अपराधी का लोहरदगा में पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है।

16 से 22 जून तक पुणे में किया जायेगा जी-20 शिक्षा कार्य समूह का आयोजन

झारखंड के सरकारी स्कूलों में जी-20 के तहत आयोजित होंगे कई कार्यक्रम, शिक्षा सचिव ने जारी किया आदेश

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के सरकारी स्कूलों में गर्मी की छुट्टी हो गयी है। इसके बावजूद जी-20 के अंतर्गत मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इसको लेकर शिक्षा सचिव के रवि कुमार ने आदेश जारी कर दिया है। इसकी सूचना सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला शिक्षा अधीक्षक को भी दे दी गयी है। जारी आदेश में सचिव ने लिखा है कि शिक्षा मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा एक और 15 जून के अंदर एफएलएन से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किया जाना है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा जी-20 शिक्षा कार्य समूह का आयोजन 16 से 22 जून तक पुणे में किया जायेगा। भारत सरकार ने जिला, राज्य स्तर पर विविध कार्यक्रमों के आयोजन का निर्देश दिया है। सचिव ने विद्यालय एवं जिला स्तर पर निम्न कार्यक्रमों का आयोजन निर्धारित तिथि में करने का निर्देश दिया है। सचिव ने आदेश में लिखा है कि उपरोक्त सभी कार्यक्रमों का आयोजन निर्धारित समय सीमा के अंदर किया जाये।

इस प्रकार हैं कार्यक्रम

- पांच से 12 जून तक : जिला स्तर पर उपायुक्त की अध्यक्षता में कार्यशाला और टीएलएम प्रदर्शनी का आयोजन।
- एक से 15 जून : एक दिवसीय विद्यार्थियों के साथ लेखन, गायन, कहानी पढ़ना, विद्यालय में उपलब्ध एफएलएन से संबंधित सभी सामग्रियों का विद्यार्थियों एवं समुदाय के बीच प्रदर्शन और चर्चा। क्विज, खेलकद, निपुण शपथ इत्यादि।
- एक से 15 जून : समुदाय के सहयोग से समर कैंप बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान उपलब्ध कराये गये (एफएलएन एफएक्यू) पर चर्चा, उपलब्ध कराये गये कैलेंडर पर जानकारी देना, गांव के लोगों के साथ मिलकर निपुण शपथ इत्यादि।
- 25 मई से 15 जून : नावाचारी वीडियो प्रतियोगिता (आधारशिला कार्यक्रम) में शिक्षकों को भाग लेने के लिए प्रेरित करना।
- पांच जून (11.30 बजे से 12.30) : समुदाय, शिक्षकों एवं सभी हितधारकों के लिए राज्य स्तरीय वेबिनार का आयोजन।

महादेव मंदिर की चारदीवारी तोड़े जाने को लेकर पीआईएल दायर

PHOTON NEWS RANCHI : अरगोड़ा स्थित सर्वकामद महादेव मंदिर के चाहरदिवारी तोड़े जाने को लेकर राजीव रंजन कुमार ने पीआईएल दायर किया हैं । उनका कहना है कि वर्ष 1992 में निर्मित इस मंदिर में सभी देवी देवताओं के साथ छठ घाट भी निर्मित है । यह जमीन झारखंड राज्य आवास बोर्ड द्वारा अरगोड़ा हाउसिंग कालोनी के निवासियों को सार्वजनिक स्थल के लिए आवंटित किया गया था। लेकिन इसके बावजूद मंगलवार को आवास बोर्ड के पदाधिकारी बिना किसी पूर्व सूचना के नाली सफाई करवाने के बहाने सर्वकामद महादेव मंदिर कि चाहरदीवारी को तोड़ने लगें। स्थानीय निवासियों ने इसका विरोध भी किया, जिसके बाद का काम छोड़कर पदाधिकारी भाग गए।

उन्होंने आगे बताया कि झारखंड राज्य आवास बोर्ड के अधिकारी मंदिर परिसर में कब्जा करने का प्रयास पुलिस फोर्स के साथ बुधवार को भी किया। जिसका विरोध फिर से स्थानीय लोगों ने किया। इसके बाद झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव विनय सिन्हा को सूचित किया। विनय सिन्हा ने आवास बोर्ड के प्रबंधक निदेशक अमित कुमार से फोन पर बात करते हुए कब्जा कराने आई टीम को वापस किया।

अड़की प्रखंड का इंदीपीड़ी गांव बनेगा आदर्श ग्राम

PHOTON NEWS KHUNTI : अड़की प्रखंड के मोसंगा टोला इंदीपीडी में ग्रामसभा के सौजन्य और प्रदान संस्था के सहयोग से आदर्श ग्राम बनाने को लेकर वार्षिक अधिवेशन का आयोजन किया गया। इंदीपीडी गांव के लोगों ने आदर्श ग्राम की परिकल्पना को साकार करने के लिए की गई पहल को कार्यक्रम में उपस्थित उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और अन्य वरीय पदाधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद किया।

गांव के लोगों ने आदर्श ग्राम के मानकों महिला सशक्तीकरण, स्वच्छ एवं खुशहाल गांव के मानकों की जानकारी दी। प्रशासन और ग्रामसभा ने साथ मिलकर इंदीपीड़ी गांव को आदर्श गांव बनाने की दिशा में कार्य हो रहे हैं। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि हमारा प्रयास है कि सुदूर क्षेत्रों के ग्रामीण जानकारी के आभाव में योजना के लाभ से वंचित न रहें। ग्रामीणों को ज्यादा से ज्यादा लाभान्वित करने के लिए उन्हें योजनाओं से जोड़ना महत्वपूर्ण है।

उपायुक्त द्वारा ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करने व उनसे निरंतर संपर्क बनाये रखने का निर्देश अधिकारियों को दिए। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन सुदूर क्षेत्रों तक पहुंचकर आमजनों की समस्याओं का निराकरण करने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जोड़कर किसानों को स्वावलंबी बनाया जाएगा। इसमें विशेषकर सखी मंडल की दीदियों को प्राशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का विशेष जोर है कि स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध हो।

चतरा में TSPC ने रेलवे निर्माण कार्य में लगे Construction Company के पोकलेन को फूंका

PHOTON NEWS CHATRA : चतरा जिले के टंडवा थाना क्षेत्र के निमार्णाधीन शिवपुर-कठौतिया रेलवे लाईन के फुलवरिया स्थित 106 नंबर ब्रीज पर प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) ने रेलवे निर्माण कार्य में लगे कंस्ट्रक्शन कंपनी के एक्सीवेटर (पोकलेन) मशीन को फूंक दिया।

उग्रवादियों द्वारा फूंकी गयी पोकलेन। ● द फोटोन न्यूज

जानकारी के अनुसार रेलवे निर्माण कार्य में आई एस सी प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी काम कर रही थी। मंगलवार की देर रात 12 से अधिक की संख्या में हथियारबंद उग्रवादी वहां पहुंचे। साइट पर मौजूद कुल पांच वर्करों की जम कर की पिटाई की। पिटाई से घायल हुए वर्करों का टंडवा अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया है। घटना को अंजाम देने के बाद उग्रवादी संगठन ने पर्चा छोड़कर कोल माफिया एवं जमीन दलाल को चेताया वही एनटीपीसी, ट्रांसपोर्टर एवं निर्माण कार्य में लगी कंपनी को सावधान रहने की बात लिखी है। उग्रवादियों ने दहशत फैलाने के लिए साइट पर फायरिंग भी की है। एसपी राकेश रंजन ने बुधवार को बताया कि पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की जांच में जुट गई है। घटनास्थल से पोस्टर, गोली का खोखा बरामद किया गया है।

BRIEF NEWS

लोहरदगा में 34 प्रशिक्षणार्थियों को मिला नियुक्ति पत्र

LOHARDAGA : इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग टेक्नोलॉजी एण्ड अप्लाईड न्युट्रिशन ब्रांबे रांची में कोर्स करने के उपरांत आज लोहरदगा जिले के 34 युवक-युवतियों को उपायुक्त समेत अन्य प्रशासनिक पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने नियुक्ति पत्र दिया। इनकी नियुक्ति मरासा सरोवर तिरूपति, चाणक्य बीएनआर रांची, रेडिशन ब्लू रांची, होटल ग्रीन एकर रांची, बालाजी सरोवर सोलापुर महाराष्ट्र, मरासा सरोवर प्रीमियर बोधगया बिहार, आरवीआर सरोवर पोर्टिको आंध्र प्रदेश और लीलैक सरोवर रांची में हुई है। उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने कहा कि जिन युवक-युवतियों को दोनों संस्थानों में भेजा गया था उनके कॅरियर को एक बड़ा मंच मिल गया है। आज जिनको नियुक्ति पत्र मिला है वे राज्य व देश के विभिन्न हिस्सों में जाकर अपनी सेवाएं देंगे। भरोसा है कि वे जिले और राज्य का नाम रोशन करेंगे।

लोहरदगा में तंबाकू निषेध की सामूहिक शपथ ली

LOHARDAGA : जिला मुख्यालय समेत सभी प्रखंड कार्यालयों में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर सामूहिक शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उप विकास आयुक्त समीरा एस की अध्यक्षता में यह शपथ समाहरणालय सभागार व जिला परिषद कार्यालय स्थित सभागार में लिया गया। इसी प्रकार अनुमंडल पदाधिकारी का कार्यालय एवं सभी प्रखण्ड स्तरीय कार्यालयों में भी यह शपथ लिया गया। कार्यक्रम में किसी भी प्रकार का तम्बाकू उत्पाद का सेवन नहीं करने, अपने परिजनों, मित्रों व परिचितों को भी तंबाकू उत्पादों का सेवन नहीं करने के लिए प्रेरित करने, तंबाकू नहीं, भोजन चाहिए का उद्देश्य पूरा करने में सहयोग करने, जीवन पर्यंत तंबाकू का सेवन नहीं करने व अन्य को इसके खतरे के बारे जागरूक करने, तंबाकू का सेवन छोड़ने के लिए प्रेरित किये जाने, अपने कार्यालय व कार्यालय परिसर को तंबाकू मुक्त करने में सहयोग करने का शपथ लिया गया।

कोडरमा में सर्पदंश से बच्ची की मौत

KODARMA : जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत तेतरियाडीह में बुधवार की सुबह सर्पदंश से एक बच्ची की मौत हो गई। उसकी पहचान अहिक कुमारी (8) के रूप में हुई है। बच्ची के परिजनों ने बताया कि बच्ची घर में सो रही थी। इसी दौरान उसे एक जहरीले सांप ने काट लिया। इसके बाद परिजन उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल कोडरमा लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया।

खूंटी में तंबाकू मुक्त युवा अभियान के तहत निकाली प्रभातफेरी, जागरुकता रथ किया रवाना

KHUNTI : विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर बुधवार को जिला स्वास्थ्य समिति ने सदर अस्पताल परिसर में समारोह का आयोजन कर तंबाकू मुक्त युवा अभियान का शुभारंभ किया। प्रभात फेरी निकाली गई और जागरुकता रथ को रवाना किया गया। उपायुक्त शशि रंजन और एसपी अमन कुमार ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर टोबैको फ्री यूथ कैंपेन जागरुकता रथ को सदर अस्पताल परिसर से रवाना किया। प्रभातफेरी में निर्मला ट्रस्ट नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों सहित खूंटी जिले की सहिया एवं अस्पताल के कर्मचारियों ने भागीदारी दी। इस वर्ष के विश्व तंबाकू निषेध दिवस की थीम हमें भोजन चाहिए-तंबाकू नहीं के उद्देश्य के लिए हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत करते हुए उपायुक्त ने हस्ताक्षर किये। इससे पूर्व चिकित्सकों, पदाधिकारियों एवं कर्मियों सहित निर्मला ट्रस्ट नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों को उपायुक्त ने तंबाकू निषेध शपथ दिलाई। इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रजनी नीलम टोप्पो, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी एनसीडी सेल खूंटी के डॉ वीरेंद्र समीर कुजुर, एनटीसीपी, जिलापरामर्शी रोहित जान तिग्गा, डीआरसीएचओ प्रभावती टोपनो, डीपीएम कानन बाला तिर्की, अस्पताल प्रबंधक अंतरा झा, हेड क्लर्क सुनीता दास एवं एनटीसीपी सोशल वर्कर पूनम एक्का सहित अन्य अस्पताल कर्मी मौजूद थे।

पलामू में नकदी और आभूषण से भरा पर्स गायब

PALAMU : डालटनगंज शहर थाना क्षेत्र के मुख्य बाजार स्थित हनुमान मंदिर से सटे मित्तल किराना दुकान के सामने बुधवार की दोपहर एक महिला का पर्स गायब कर दिया गया। पर्स में 25 हजार रुपये नगदी, सोने के झुमके और अंगूठी, आधार कार्ड, पेनकार्ड, एटीएम कार्ड सहित अन्य कागजात थे। इस मामले में सुआ मेदिनीनगर निवासी पीड़ित महिला आकृति सिंह ने शहर थाना में मामला दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। आकृति के अनुसार उसके घर में आज शादी है और बारात आने वाली है। वह पति के साथ खरीददारी करने के लिए बाजार आई हुई थी। मित्तल किराना दुकान के पास सड़क किनारे नींबू-मिर्ची दुकान के पास झोला से किसी ने उसका पर्स गायब कर दिया।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को रौंदा, मौत

SARAIKELA : कांड्रा-सरायकेला मार्ग पर कांड्रा मोड़ स्थित ढलान के समीप वाहन की ठोकर से बाइक सवार सुभाष कर्मकार (25) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सुभाष कर्मकार प्रखंड के आनंदपुर, देव गांव का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार, सुभाष कर्मकार मंगलवार को चौका स्थित अपने रिश्तेदार के घर श्राद्धकर्म में शामिल होने गया था। वहां से बुधवार की सुबह लौटते क्रम में वह अपने बाइक से कांड्रा होते हुए गम्हरिया की ओर जा रहा था। इसी दौरान, गम्हरिया की ओर से कांड्रा तरफ जा रहे अज्ञात वाहन ने उसे ठोकर मार दी ,जिससे वह बाइक से गिर पड़ा। तत्पश्चात, वाहन सुभाष को रौंदते हुए घटना स्थल से फरार हो गया, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। राहगीरों द्वारा उक्त घटना की जानकारी कांड्रा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल से शव को पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है।

ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

LATEHAR : बरवाडीह रेलवे स्टेशन में ट्रेन की चपेट में आने से बुधवार को एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए है। घायल व्यक्ति की पहचान पलामू के विश्रामपुर के भूखला गांव निवासी प्रयाग राम के रूप में की गई है। उसका इलाज बरवाडीह में आरपीएफ टीम की देख रेख में कराया जा रहा है।

कोडरमा में गिरने से मजदूर की मौत

KODARMA : जिले के तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत गुमो स्थित जेके आई इंफ्रास्ट्रक्चर फैक्टरी में काम के दौरान बुधवार को एक मजदूर की मौत हो गई। बाराचट्टी, गया (बिहार) का रहने वाला मजदूर मतलु यादव फैक्टरी में बिना किसी सुरक्षा के काफी ऊपर चढ़ा हुआ था। वापस लौटने के क्रम में ऊपर से सीधा नीचे गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

पलामू में कार से 465 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद, चालक गिरफ्तार

PHOTON NEWS PALAMU : डालटनगंज से होकर चैनपुर के रास्ते बिहार तस्करी कर ले जाई जा रही शराब को चैनपुर थाना पुलिस ने मंगरदाहा घाटी में पकड़ लिया। पुलिस ने 465 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया।

शराब की बोतलों के साथ पकड़ा गया आरोपी व पुलिसकर्मी। ● द फोटोन न्यूज

इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी उदय कुमार गुप्ता ने चैनपुर थाना परिसर में बुधवार को पत्रकारों को बताया कि 30 मई को सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर मेदिनीनगर ऋषभ गर्ग को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि एक सफेद रंग की टाटा इंडिगो कार में एक व्यक्ति अवैध शराब लेकर मंगरदाहा घाटी से होकर गढ़वा की ओर जाने वाला है।

कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मंगलदाहा घाटी में रात करीब 9.30 बजे सफेद टाटा इंडिगो कार (जेएच05 एएम 1200) को पकड़ा, जिसमें केवल चालक बैठा हुआ था। चालक की पहचान अजय कुमार सिंह के रूप में हुई है। वह बिहार के रोहतास जिले के नोखा थाना क्षेत्र के पुराना नोखा निवासी है। गाड़ी की तलाशी लेने पर उसकी डिक्की से दो अलग-अलग कंपनियों की अंग्रेजी शराब बरामद की गई।

इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी ने बताया कि कार से रॉयल स्टैग का 180 एमएल में 190 पीस, इंपिरियल ब्लू 180 एमएल में 145 पीस एवं इसी कंपनी की 375 एमएल में 130 पीस बोतल बरामद की गई है। एक मोबाइल फोन को भी जब्त किया गया है। चालक ने पूछताछ के दौरान बताया कि डालटनगंज में दुबे नामक व्यक्ति से उसने शराब ली थी। कोयल नदी किनारे उसे शराब मुहैया कराई गई थी। पुलिस दुबे की तलाश कर रही है।

पुलिस टीम में उनके अलावा पुलिस अवर निरीक्षक संजीव कुमार सहायक अवर निरीक्षक राजीव कुमार और जवान शामिल थे।

पलामू में सौ रुपये के लिए पति-पत्नी में विवाद, फायरिंग में भतीजी की मौत

गांव में आयी थी बारात, उपहार लेकर ढ़ोल बजाने वालों को 100 रुपए देने के मामले को लेकर पत्नी से हुआ था विवाद

PHOTON NEWS PALAMU : जिले के सतबरवा प्रखंड क्षेत्र के धुटूआ गांव में बुधवार सुबह आठ बजे उदयनाथ सिंह की बंदूक से गोली चल जाने के कारण 14 वर्षीय सुप्रिया कुमारी की मौत इलाज के दौरान नवजीवन अस्पताल तुंबागड़ा में हो गई। पुलिस ने आरोपित को बंदूक के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है।

शव को स्ट्रेचर में उठाते अस्पतालकर्मी। ● द फोटोन न्यूज

लेस्लीगंज थाना प्रभारी गौतम कुमार राय ने बताया कि घटना बुधवार सुबह करीब 8 बजे की है। गांव में मंगलवार की रात में बारात आई थी। इसी दौरान घुटूवा पंचायत की पूर्व समिति सदस्य कांति देवी के पति उदयनाथ सिंह नशे की हालत में गांव के ही गणेशी सिंह से 100 रुपये मांगकर ढोल बजाने वाले को दे दिया था। बुधवार को सुबह गणेशी सिंह उदयनाथ सिंह से दिए पैसे वापस मांगने लगा तो उसने पत्नी कांति देवी से पैसे की मांग की। पैसे नहीं देने पर पति-पत्नी में कहासुनी होने लगी।

गुस्से में उदय सिंह ने घर से बंदूक निकाली। पति-पत्नी में बंदूक की छीना-झपटी करने लगे। इस दौरान गोली चल गई और बगल में खड़ी सुप्रिया कुमारी के सीने में जाकर लग गई। आनन-फानन में घायल सुप्रिया को नवजीवन अस्पताल तुंबागड़ा में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि मृतका सुप्रिया उदय नाथ सिंह के रिश्ते में भतीजी थी। वह मंगलवार को ही बुआ के घर से वापस घुटूवा गांव आई थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर के एमएमसीएच भेज दिया है।

धोखाधड़ी के मामले में दोषी को तीन साल की सजा और जुर्माना

PHOTON NEWS DUMKA : जमीन हड़पने की नीयत से जिंदा व्यक्तियों को मृत घोषित करने से संबंधित मामले में एक आरोपित को न्यायालय ने दोषी करार देते हुए तीन साल का कारावास की सजा सुनायी है। सजा एसडीजेएम जितेंद्र राम के न्यायालय ने बुधवार को सुनाया।

न्यायालय में सरैयाहाट (हंसडीहा) थाना कांड संख्या 128/2014 में सजा के बिंदु पर सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद न्यायालय ने दोष सिद्ध अभियुक्त हंसडीहा थाना क्षेत्र के कसवा गांव निवासी रामेश्वर मंडल को भादवि की धारा 420 के तहत एक साल की कारावास सुनाई और दो हजार रुपये जुर्माना लगाया। जुर्माने की राशि अदा नहीं करने पर एक माह के अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाया।

भादवी की धारा 467 के तहत तीन साल के कारावास और तीन हजार रुपये जुर्माना की सजा न्यायालय ने सुनायी। जुर्माने की राशि अदा नहीं करने पर दो माह के अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। भादवी की धारा 468 के तहत एक साल के कारावास और तीन हजार रुपये जुमार्ना लगाया। जुर्माने की राशि अदा नहीं करने पर एक माह के अतिरिक्त कारावास और धारा 471 के तहत छह माह के कारावास और एक हजार रुपये जुमार्ना अदा करने की सजा सुनायी गयी। जुमार्ने की राशि अदा नहीं करने पर 15 दिन के अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। इस तरह दोषी को कुल 9 हजार रुपये जुर्माना अदा करना होगा। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। इस मामले में सरकार की ओर से सहायक लोक अभियोजक खुशबुद्दीन अली ने बहस किया। न्यायालय में दो गवाहों की पेशी हुई। यह जानकारी एपीपी ने दी।

भारत एक ऐसा देश जहां पर इलाज एक सेवा है : संचालक

PHOTON NEWS RAMGARH : बुधवार को श्री बालाजी अस्पताल, रांची रोड, मरार नियर ओवरब्रिज के समीप रामगढ़ में विधायक सुनीता चौधरी के द्वारा संपन्न हुआ। इस अस्पताल के मुख्य संचालक प्रकाश कुमार एयोम, आनंद सिंह हैं। अस्पताल में 20 दिनों तक 40 वर्ष के ऊपर वालों को मुफ्त में परामर्श (ओपीडी) कुशल डॉक्टरों द्वारा दिया जाएगा।

इसमें जो प्रमुख डॉक्टर हैं वे डॉ अभिषेक अग्रवाल (जेनरल सर्जन), डॉ आशीष पॉल (ऑर्थोपेडिक सर्जन), डॉ प्रिया कुमारी (गायनोजिस्ट) व डॉ आकाश कमल (जेनरल फिजिशयन) होंगे। आज इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित आजसू के मांडू प्रभारी तिवारी महतो, गुड्डू सिंह, नीरज मंडल, मरार मुखिया शंकर मिश्रा, धर्मेंद्र मिश्रा, विलाश, अरविंद, संतोष इत्यादि गणमान्य लोग उपस्थित थे। संचालक ने कहा कि भारत एक ऐसा देश जहां पर इलाज एक सेवा है, आरोग्य एक दान है।

रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी अस्पताल के उद्घाटन करने के दौरान गुलदस्ता स्वीकार करतीं हुईं। ● द फोटोन न्यूज

डीआईजी ने नवनिर्मित पुलिस भवनों का किया उद्घाटन

GUMLA : जिले में पुलिस उप महा निरीक्षक (दक्षिणी छोटा नागपुर रेंज) अनूप बिरथरे ने बुधवार को जिले का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जिले में एससीए मद से निर्मित पुलिस भवनों का भी उद्घाटन किया। सर्वप्रथम चंदाली पुलिस लेन परिसर में जन सुविधा के लिए कम्यूनिटी हॉल, पुलिस केंद्र, किचेन एवं डाइनिंग हॉल का उद्घाटन हुआ। इसके पश्चात चंदाली स्थित पुलिस लेन परिसर में 5 यूनिट गोडाउन निर्माण के मरम्मत, 6 यूनिट शौचालय, डीप बोरिंग तथा चापाकल, नए पीसीसी रोड एवं ड्रेनेज का भी उद्घाटन किया गया। डीआईजी ने गुमला थाना परिसर में एससीए मद से निर्मित 3 कमरों तथा बरामदा में निर्मित अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति थाना का उद्घाटन किया।

केवड़ा गांव में लाह खेती प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

KHUNTI : तेजस्विनी परियोजना मुरहू की ओर से ग्राम पंचायत केवड़ा में लाह खेती प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ बुधवार को किया गया। इसका उद्घाटन मुरहू की प्रमुख एलिस गुड़िया ने किया। प्रशिक्षण का शुभारंभ सीएसपी हुमाना पीपल टू पीपल, इंडिया के फाउंडेशन डे के उपलक्ष्य पर किया गया। मौके पर प्रखंड प्रमुख एलिस गुड़िया ने कहा कि लाह की खेती का प्रशिक्षण बहुत ही उपयोगी है। प्रशिक्षण के माध्यम से किशोरियां आत्मनिर्भर बन सकेंगी। उन्होंने सभी किशोरियों और युवतियों से अपील की कि प्रशिक्षण लेकर लाह की खेती अवश्य करें। इससे वे अपने परिवार की आय में बढ़ोतरी में मदद कर सकेंगी। तेजस्विनी परियोजना प्रबंधक छगनलाल शर्मा ने स्वयं सेवी संस्था हुमाना पीपल टू पीपल इंडिया द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया।

बिना छिलका उतारे साल फूल को बेचने पर इसकी कीमत 10 से 15 रु प्रति किलो मिलती है

गरीबों के लिए अतिरिक्त आय का बेहतर साधन है साल बीज

PHOTON NEWS KHUNTI : झारखंड के खूंटी, गुमला, लोहरदगा, सिमडेगा, पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम सहित लगभग सभी जिलों में साल या सखुआ के पेड़ भरपूर मात्रा में पाये जाते हैं। सखुआ के इन पेडों की पूजा आदिवासी और गैर आदिवासी समान रूप से करते आये हैं। बात सरहुल की हो या शादी-विवाह में मंडवा बनाने की, हर जगह इसे पवित्र मानकर पूजा-अर्चना की जाती है। यही कारण है कि सखुआ को पेड़ों का राजा कहा जाता है। साल के पड़ों से फर्नीचर से लेकर हर तरह के सामान बनाये जाते हैं।

साथ ही साल के पेड़ ग्रामीणों की आय के अतिरिक्त साधन भी है। जंगलों के किनारे रहने वाले अधिकतर लोग इसका उपयोग भोजन के रूप में भी करते हैं। यही कारण है कि मई और जून के महीने में महिला, पुरुष, बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक सुबह होते ही नाश्ता-पानी लेकर सखुआ पेड़ के नीचे पहुंच जाते हैं और पेड़ों से गिरे साल के बीच को चुनने में व्यस्त हो जाते हैं। किसान बीजों को चुनकर जमा करते हैं और काफी मेहनत से बीज के छिलके को हटाते हैं। छिलका हटाने के बाद ग्रामीण उसे लेकर व्यापारी के पास पहुंचते हैं और बीज की बिक्री करते हैं। बाजार में इस समय साल के बीज 20 से 30 रुपये प्रति किलो की दर से व्यवसायी इसकी खरीद कर रहे हैं। बिना छिलका उतारे साल फूल को बेचने पर इसकी कीमत 10 से 15 रु प्रति किलो मिलती है। हालांकि इस वनोपज की खरीद-बिक्री के लिए सरकार द्वारा कोई नीति निर्धारित नहीं किये जाने से किसान औन-पौने दाम पर साल बीज बेचने को विवश हैं।

साल बीज को जंगल में बोरे में जमा करतीं महिलाएं। ● द फोटोन न्यूज

मानव जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण : अर्जुन बड़ाईक

साल के महत्व की चर्चा करते हुए खूंटी के सहायक वन सरंक्षक अर्जुन बड़ाईक कहते हैं कि सखुआ का जितना धार्मिक महत्व सखुआ पेड़ का है, उतना किसी भी वृक्ष का नहीं हैं। यह पेड़ के साथ गरीबों को भोजन भी देता है। पहले जब अकाल पड़ता था, तो गरीब लोग साल के बीज को पकाकर खाते थे। अब भी जंगलों में रहने वाले लोगों का यह मुख्य आहार है। बड़ाईक कहते हैं कि सखुआ का पेड़ अपने अगल-बगल के पौधों को प्राकृतिक रूप से जैविक विविधता में सहयोग करता है। इसलिए पर्यावरण के दृष्टिकोण से भी साल के वृक्ष सबसे महत्वपूर्ण हैं।

एसीएफ ने कहा कि साल के बीज का उपयोग दवा बनाने के अलावा तेल और साबुन बनाने में भी होता है। तोरपा के रहने वाले वैद्य नंदू महतो कहते हैं कि सखुआ एक औषधीय पेड़ है। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में हजारों वर्षों से पित्त, ल्यूकोरिया, गोनोरिया, त्वचा रोग, पेट संबंधी विकार, अल्सार, घाव, दस्त और कमजोरी के इलाज में साल के बीज का उपयोग किया जाता है।

मेहनत के अनुरूप नहीं मिलती कीमत : कर्रा प्रखंड के जरिया जंगल में साल के बीज चुन रहीडेहकेला गांव की कुल्डा देवी, राधा देवी, सुमित्रा देवी और शकुंतला देवी ने कहा कि मेहनत के अनुरूप साल के बीजों की कीमत नहीं मिलती है। उन्होंने कहा कि दो पैसे की कमाई के लिए वे सुबह में बिना मुंह धोये बीज चुनने के लिए जगल आ जाती हैं। शकुंतला देवी ने बताया कि साल के बीज को चुनने के बाद उन्हें आग में जलाया जाता है। बाद में उसका छिलका हटाकर बाजार में बेचते हैं। सुमित्रा देवी ने बताया कि दिन भर में वे सात से आठ किलो बीज चुन लेती हैं। उन्होंने कहा कि इसका उपयोग वे घर में भोजन और दवा दोनों रूप में करते हैं।

भोजपुर में स्कार्पियो ने ऑटो में पीछे से मारी टक्कर

भोजपुर जिले के गड़हनी थाना क्षेत्र के खरईचा गांव के समीप मंगलवार की देर शाम स्कार्पियो व सवारी से भरी ऑटो में भिड़ंत हो गई। हादसे में ऑटो पर सवार एक युवक की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। जबकि ऑटो पर सवार चालक समेत आठ लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। वहीं जख्मी अन्य लोगों का इलाज अगिआंव पीएचसी में कराया जा रहा है। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक सहार थाना क्षेत्र के एकवारी गांव वार्ड नंबर 5 निवासी बेलास यादव का 40 वर्षीय पुत्र संजय यादव है। वह पंजाब के जलंधर में स्थित एक प्राइवेट कंपनी में काम करता था। होली के समय घर वापस आया था। जबकि जख्मियों में उसी गांव के निवासी केशव यादव का 38 वर्षीय पुत्र व ऑटो चालक मनोज यादव एवं छह अन्य लोग शामिल हैं। इधर,ऑटो चालक मनोज यादव ने बताया कि एकवारी गांव निवासी लोला रवानी के परिवार की महिला और बच्चे ऑटो रिजर्व कर संदेश थाना क्षेत्र के जमुआंव गांव शादी में शामिल होने जा रहे थे। तभी उसका दोस्त संजय यादव भी उसके ऑटो पर बैठ गया। जमुआवं आने के क्रम में जैसे ही उसकी ऑटो खरईचा गांव के समीप पहुंची। तभी तेज रफ्तार से जा रही स्कॉर्पियो ने पीछे से उसके ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उसका दोस्त संजय यादव गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जबकि ऑटो पर सवार छह अन्य लोग भी जख्मी हो गए। इसके बाद पवना थाना गश्ती पुलिस द्वारा ऑटो चालक मनोज यादव एवं संजय यादव को आनन-फानन में इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने संजय यादव को मृत घोषित कर दिया। वहीं जख्मी ऑटो चालक मनोज यादव का आरा सदर अस्पताल एवं ऑटो पर सवार छह अन्य लोगों का इलाज अगिआंव पीएचसी में कराया जा रहा है।

इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी। सूचना मिलते ही पुलिस पदाधिकारी सदर अस्पताल पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने तीन भाई व एक बहन में तीसरे स्थान पर था। मृतक के परिवार में पत्नी सरिता देवी व एक पुत्री निक्की कुमारी एवं एक पुत्र नीरज कुमार है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है।

बिहार कर्नाटक केरल समेत 25 ठिकानों पर NIA की रेड

पीएफआई के फुलवारीशरीफ मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बिहार, कर्नाटक और केरल में करीब 25 ठिकानों पर रेड मारी है। एनआईए की टीम ने कटिहार के हसनगंज थाना क्षेत्र के मुजफ्फर टोला में लगभग 3 घंटे तक छापेमारी की। एनआईए की टीम ने नासिर हुसैन के घर कई दस्तावेज को खंगाला। वहीं, स्थानीय लोगों की माने तो एनआईए पूछताछ के लिए महबूब आलम नदवी के भाई मोहम्मद जावेद को अपने साथ ले गई है। हालांकि आधिकारिक रूप से अब तक इसकी कोई पुष्टि नहीं है। जुलाई 2022 में पटना के फुलवारीशरीफ में पुलिस की रेड में पीएफआई से जुड़े कुछ लोग पकड़े गए थे। छापेमारी में इंडिया 2047 नाम का 7 पेज का डॉक्यूमेंट भी मिला है। इसमें अगले 25 साल में भारत को मुस्लिम राष्ट्र बनाने की प्लानिंग की गई थी। इसी टारगेट को पूरा करने के लिए मुस्लिम युवाओं को हथियार चलाने की ट्रेनिंग दी जा रही थी। उस समय 6 लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। इसमें पूछताछ में पता चला था कि 12 जुलाई को पटना आ रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ये हमला करना चाहते थे। इसके लिए उन्हें 15 दिन से ट्रेनिंग दी जा रही थी। इसको लेकर पहले पटना पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। बाद में मामला एनआईए के पास चला गया है। तब से एनआईए लगातार छापेमारी कर रही है। इस साल 4-5 फरवरी को, एनआईए ने बिहार के मोतिहारी में आठ जगहों पर भी रेड मारी थी। दो लोगों को गिरफ्तार किया था। जिन्होंने हत्या को अंजाम देने के लिए हथियार और गोला-बारूद की व्यवस्था की थी। गिरफ्तार लोगों की पहचान तनवीर रजा उर्फ बरकती और मोहम्मद आबिद उर्फ आर्यन के रूप में हुई। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (ढत्रक्र) के 15 राज्यों के 93 ठिकानों पर 22 सितंबर को ठकअ-एऊ ने ऑपरेशन ऑक्टोपस के तहत छापेमारी की थी। इस मामले में जांच एजेंसी ने बड़ा दावा किया था। कोझिकोड से गिरफ्तार ढत्रक्र वर्कर शफीक पायथे के रिमांड नोट में एऊ ने कहा- पटना में 12 जुलाई को प्रधानमंत्री की रैली में हमले की साजिश की गई थी, जिसकी फंडिंग में शफीक पायथे भी शामिल था।

सुधा के टैंकर से दूध की जगह मिली शराब

शहर से सटे कसबा प्रखंड की पुलिस ने मंगलवार को सुधा डेयरी के टैंकर से बड़ी मात्रा में शराब की खेप बरामद की। पुलिस को सुधा डेयरी के टैंकर में दूध की जगह 1182 लीटर विदेशी शराब मिली है। इसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। पुलिस इसे अपनी उपलब्धि के रूप में देख रही है। मगर झारखंड, बंगाल और नेपाल के बॉर्डर से पूर्णिया की अच्छी-खासी दूरी होने के बाद भी शराब तस्कर सैकड़ों थाने की पुलिस को चकमा देकर शराब की खेप यहां तक ले आए थे। कसबा पुलिस ने तस्करी के लिए इस्तेमाल में लाई जा रही टाटा 407 को जब्त कर लिया है। इसके साथ ही पुलिस ने पिकअप में रखे 48 खाली मिल्क ट्रे को भी अपने कब्जे में ले लिया है।

कार्रवाई के संबंध में डीएसपी पुष्कर कुमार ने बताया कि 29 मई की शाम गश्ती के दौरान एनएच 57 पर सुधा डेयरी की पिकअप संदेहास्पद स्थिति में मिली। जब उसकी तलाशी ली गई तो उसमें से पुलिस को बियर की बोतल मिली।

मेरी मौत का कारण मेरा चेहरा और बाल हैं

मेरी मौत का जिम्मेदार मेरा चेहरा है। मैं अपने चेहरे और बाल से परेशान हूं। मैं बहुत खराब दिखता हूं। अपनी मर्जी से आत्महत्या करने जा रहा हूं। हो सके तो मुझे माफ कर देना मां- मैं तेरा राजू। इतना लिखकर नालंदा के 25 साल के विजय कुमार उर्फ राजू पुत्र जय नारायण लाल ने अपनी जान दे दी। भाई प्रमोद ने बताया कि वह अपने बाल और मुंह को लेकर परेशान रहता था। वह हमेशा कहता रहता था कि उसके चेहरे की सर्जरी नहीं हुई है। इसके कारण वह सुंदर नहीं दिखता है। मामला भागन बीघा ओपी क्षेत्र के पचासा गांव का है। राजू एकंगरसराय थाना क्षेत्र के एकंगरडीह गांव का रहने वाला था। वजय के भाई प्रमोद कुमार ने बताया कि उनकी दिमागी हालत ठीक नहीं थी। रांची में उसका इलाज चल रहा था। वह 3 दिन पहले बड़ी बहन के यहां पचासा गांव आया हुआ था। बुधवार सुबह उन्हें भांजे ने फोन कर बताया कि मामा ने फांसी लगा ली है। विजय

कुमार ई रिक्शा चलाता था। तीन भाइयों में वह सबसे छोटा था। छोटी बहन की 3 दिन पहले डिलीवरी हुई थी। इसी कारण वह बड़ी बहन बबिता देवी के यहां रहकर अस्पताल खाना पहुंचाने का काम करता था। युवक की शादी की बातचीत भी चल रही थी। इधर मामले को लेकर भागन बीघा ओपी प्रभारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि यूडी केस दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। हमें सूचना मिली थी कि युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। इसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपुर्द करा दिया गया है।

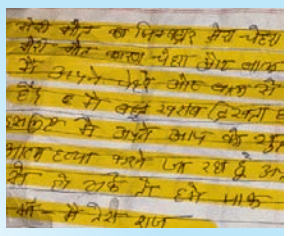

भोजपुर में बहू की लाठी-डंडे से पिटाई

भोजपुर में मंगलवार को ससुर ने बहू की जमकर पिटाई कर दी। इस हिंसा में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। बाद में उसे स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामला जिले के कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के बभनगावां गांव का है। घरेलू विवाद को लेकर दोनों के बीच बकझक हुई थी। जानकारी के अनुसार, जख्मी महिला कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के बभनगांवा गांव निवासी रोहित उपाध्याय कि 25 वर्षीय पत्नी वंदना कुमारी है। वंदना की रोहित से शादी नवंबर 2016 में हुई थी, उनका एक पांच वर्षीय बेटा है। इधर, वंदना कुमारी ने बताया कि उसकी बहन की शादी 21 मई को थी। जिसको लेकर वह 10 दिन के लिए अपने मायके बक्सर गई थी। मंगलवार को वह जब अपने पिता के साथ

ससुराल वापस लौटी। इसके बाद शाम में जब उसके ससुर घर आए तो वह उसे घर से बाहर जाने के लिए कहने लगे। वंदना ने इस बात का विरोध करते हुए कहा कि मैं यहां शादी करके आई हूं। यह मेरा भी घर है। मैं अपने बच्चे को लेकर कहां जाऊंगी। उसी बीच ससुर द्वारा पैसे की मांग की जाने लगी। जब वंदना ने इसका विरोध करते हुए कारण पूछा तो इसी बात को लेकर दोनों के बीच तू-तू मैं-मैं हो गई। जिसके बाद उक्त ससुर ने उसकी लाठी-डंडों से जमकर पिटाई कर दी। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। इसके बाद इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। वंदना ने बताया की उनके पति दिल्ली में रहकर प्राइवेट बैंक में काम करते है। जब उनसे अपने साथ रखने की बात बोलते है तो रखने से मना कर देते है। मारपीट की घटना के बाद वंदना ने इसकी शिकायत स्थानीय थाना से की ।

अश्लील वीडियो मामले में जांच करने फिर कोलकाता जाएगी टीम

पटना जंक्शन पर लगे ळश पर विज्ञापन की जगह अश्लील वीडियो दिखाए जाने के मामले की जांच के लिए रेल पुलिस की टीम फिर से कोलकाता जाएगी। लंबे अंतराल के बाद से इस कोलकाता में उस कंट्रोल रूम को खंगालेगी, जहां से पटना जंक्शन के ळश को कंट्रोल किया जाता था। लेकिन, इस बार जांच टीम में एक बड़ा बदलाव रहेगा। क्योंकि, रेल पुलिस की टीम पटना से एक एक्सपर्ट को अपने साथ ले जाने वाली है। दरअसल, रेल पुलिस से जुड़े सूत्रों के हवाले से एक बड़ी जानकारी सामने आई है। इस पटना जंक्शन के बदनामी वाले इस कांड के बाद रेल पुलिस की टीम जांच करने के लिए उस दौरान भी कोलकाता गई थी और दो दिन वहां रह कर जांच की थी। हालांकि, उस दरम्यान हुए जांच में कुछ ठोस सबूत हाथ नहीं लगे थे। इस कारण रेल पुलिस की टीम को खाली हाथ लौटना पड़ा था।

अश्लील वीडियो टेलिकास्ट किए जाने के प्रकरण में जांच करने के लिए इस बार पटना रेल थाना आर्थिक अपराध इकाई (एडव) की मदद लेने जा रही है। इसके लिए एक लेटर भी लिखा गया है। असल में बिहार में साइबर सेल एडव के तहत आती है। इसके पास साइबर से जुड़े अपराध की जांच और कार्रवाई के लिए ट्रेंड अफसर और पुलिसकर्मी हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए रेल पुलिस ने एडव से एक एक्सपर्ट

की मांग की है। जो पटना से ही रेल पुलिस की टीम के साथ जांच करने के लिए कोलकाता जाएगी। वहां पहुंचने पर कम्प्यूटर और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम की जांच करेगी। पटना जंक्शन पर लगे ळश को ऑपरेट करने की जिम्मेदारी रेलवे ने टेंडर के जरिए कोलकाता के दत्ता स्टूडियो कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को दी थी। इस प्रकरण के बाद पूर्व मध्य रेलवे ने टेंडर को कैंसिल कर दिया था। दत्ता स्टूडियो ने अपना कंट्रोल रूम कोलकाता में ही बना रखा है। पिछले 5 साल से इस कंपनी को पटना जंक्शन पर लगे ळश को ऑपरेट करने की जिम्मेदारी मिली हुई थी। 19 मार्च की सुबह में पटना जंक्शन पर लगे ळश पर विज्ञापन की जगह अश्लील वीडियो दिखाया गया था। अश्लील वीडियो का टेलीकास्ट करीब तीन मिनट तक हुआ था। जिसे उस दिन सुबह 9:56 से 9:59 तक दिखाया गया था। जिसका मोबाइल से वीडियो बनाकर प्लेटफॉर्म नंबर 10 पर मौजूद पैसेंजर्स ने वायरल कर दिया था। इसके बाद पटना जंक्शन रेल थाना में 20 मार्च को क्ळ एक्ट के तहत त्रक्षक्र दर्ज की गई थी। अब इस प्रकरण में जांच के दो महत्वपूर्ण प्वाइंट रेल पुलिस के सामने है। सूत्र के अनुसार रेल पुलिस की टीम इस बार पता लगाएगी कि दत्ता स्टूडियो के किस कंट्रोल रूम से अश्लील वीडियो दिखाया गया? दूसरा प्वाइंट है कि कंपनी के किस अधिकारी या स्टाफ की निगलेजेंसी से ऐसा हुआ था?

संक्षिप्त -समाचार

घरवालों ने पढ़ने को लेकर डांटा, छात्र ने की खुदकुशी

बांका में घरवालों ने पढ़ाई नहीं करने पर फटकार लगाई तो 14 साल के छात्र ने खुदकुशी कर ली। घटना रजौन थाना क्षेत्र अंतर्गत किफायतपुर गांव की है। मंगलवार की देर रात किशोर ने अपने घर में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी है। मामले की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस जांच में जुटी है। मृतक की पहचान रजौन बाजार स्थित किफायत पुर गांव निवासी सुबोध रजक के 14 वर्षीय पुत्र सौरभ कुमार के रूप में हुई है। छात्र आठवीं कक्षा में पढ़ता था। बताया गया कि सौरभ को पढ़ने के लिए घर वालों ने डाटा था। इसके बाद वह काफी देर तक घर में नहीं दिखा। परिजन जब छत पर बेटे को के खोजने गए तो देखा कि सौरभ फंदे से लटक रहा था। घटना की सूचना स्थानीय थाना की पुलिस को दी गई। मौके पर एसआई रामाकांत सिंह और प्रशिक्षु दरोगा रवि कुमार सहित पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर जांच की। सौरभ दो भाइयों में सबसे बड़ा था। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। रजौन थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि छात्र के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पिता के बयान पर यूडी केस दर्ज किया जा रहा है। साथ ही पुलिस मामले की छानबीन भी कर रही है।

नालंदा में जदयू का हुआ विस्तार

नालंदा जिला जनता दल यूनाइटेड के द्वारा जिला कमेटी 172 सदस्यों की सूची बिहार प्रदेश जनता दल यूनाइटेड के अनुमोदन के पश्चात मंगलवार को जारी कर दिया गया है। सूची जारी करते हुए जिलाध्यक्ष मोहम्मद अरशद ने कहा कि संगठन को मजबूत एवं धारदार बनाने के लक्ष्य के साथ कर्मठ एवं मजबूत कार्यकर्ता को जिला कमिटी में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। कार्यकर्ता ही पार्टी के मजबूत स्तंभ होते हैं तथा हमारी पार्टी कार्यकताओं को सम्मान देने का काम करती रहती है। पार्टी के स्थापना काल से जुड़े लोगों को विशेष प्रतिनिधित्व दिया गया है। इस अवसर पर प्रदेश सचिव रामचंद्र चौहान, महमूद बक्खो, मुख्य प्रवक्ता डॉ धनंजय कुमार देव, नव मनोनीत कोषाध्यक्ष रंजीत कुमार, उपाध्यक्ष विनोद प्रसाद सिंह, महासचिव अरविंद कुमार, विनय कुमार, रविंद्र कुमार सिंह उपस्थित रहें। कोषाध्यक्ष के रूप में रंजीत कुमार, जबकि उपाध्यक्ष के रूप में 50 सदस्यों को मनोनीत किया गया है। इनमें भरत शर्मा, विनोद प्रसाद सिंह, अनिल कुमार, निवास शर्मा, विनय कुमार, वीरेंद्र प्रसाद, शैलेंद्र प्रसाद, अजय पटेल, विजय कुमार सिंह, उदयनंदन प्रसाद, चंचल वर्मा, बिगुल सिंह, हरिनारायण सिंह, विनय सिंह, नरोत्तम कुमार, मुन्नी देवी, मुन्ना मलिक, राजकुमार भारती, मनोरमा देवी, रामकली, रीना कुमारी, रणवीर सिंह, डॉक्टर सुनील दत्त, विजय कुमार, कंचन सिन्हा, सुरेंद्र राजवंशी, सुरेश प्रसाद, अखिलेश कुमार सिंह, सुल्तान अंसारी, अनिल कुमार, सुरेश प्रसाद, बृज राज चौहान, बालमुकुंद यादव, धीरज कुमार, रामटहल साव, राज मोहन प्रसाद, परमानंद सिन्हा उर्फ सुमन पटेल, शशि भूषण प्रसाद, अवधेश गुप्ता, सुभाष प्रसाद सिंह, कंचन देवी, कामेश्वर प्रसाद, विजय कुमार, रामकृष्ण प्रसाद, मोहम्मद एहसान खान, विजय कुमार सिंह, इंजीनियर राजन कुमार, देवेंद्र प्रसाद, रविशंकर सिंह, सुभाष प्रसाद सिंह एवं नगेन्द्र कुमार ।

भोजपुर में सड़क हादसे में युवक की मौत

भोजपुर जिले के चौरी थाना क्षेत्र के अंधारी गांव के पास मंगलवार की देर शाम अपनी शादी का कार्ड बांटने जा रहे युवक को अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। हादसे में उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना चौरी थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही चौरी थाना इंचार्ज कुमार रजनीकांत अपने दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में करवाया। जानकारी के अनुसार मृतक सहार थाना क्षेत्र के बडकी खड़ाव निवासी स्व.बबन चौधरी का 20 वर्षीय पुत्र रमेश चौधरी है। इधर, मृतक के परिजन नंद लाल चौधरी ने बताया कि उसकी शादी अगले माह होने वाली थी। वह बाइक पर सवार होकर शादी का कार्ड बांटने के लिए इमादपुर थाना क्षेत्र के बिहटा गांव निवासी संजय चौधरी अपने रिश्तेदार के घर जा रहा था। उसी दौरान अंधारी गांव के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उसे रौंद दिया। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के करीब तीन घंटे बीत जाने के बाद स्थानीय ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना मृतक के परिजनों को मिली। सूचना पाकर मृतक के परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। बता दें कि मृतक की शादी औरंगाबाद जिला के दाउदनगर थाना क्षेत्र के आंछा गांव तय हुई थी। अगले माह 24 जून को तिलक एवं 27 जून को बारात जाने वाली थी। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। उसके सिर पर सेहरा सजने से पहले ही घर से उसकी अर्थी उठ गई। बताया जाता है कि मृतक अपने चार भाई व एक बहन में तीसरे स्थान पर था। मृतक के परिवार में मां दौलत देवी व तीन भाई सगुनी चौधरी, फागुनी चौधरी, भुअर चौधरी एवं एक बहन ज्योति कुमारी है। घटना के बाद मृतक के घर में हाहाकार मच गया है।

बिहार में रोजगार पर छिड़ी जुबानी जंग

2024 के लोकसभा और 2025 के विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी पार्टियां अभी से ही मुद्दों को तलाश करने में जुट गई है। इस चुनाव में पार्टी को लोगों से कनेक्ट करने के लिए हर एक राजनीतिक दल बेरोजगारी का मसला उठा रहा है। इसी के तहत जदयू ने केंद्र सरकार पर बड़ा हमला करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार ने पिछले 8 साल में महज 7 लाख 22 हजार ही रोजगार दिया है। जबकि वादा हर साल दो करोड़ रोजगार देने का था। हालांकि बीजेपी इस आरोप से बहुत इत्तेफाक नहीं रखती। उनका कहना है कि जदयू जिसे रोजगार कहती है वह सिर्फ नौकरी है। जबकि रोजगार का मतलब जीवन यापन करने के लिए रोजगार का सृजन होता है। यह नौकरी भी हो सकता है बिजनेस भी हो सकता है। जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार केंद्र सरकार पर यह आरोप लगा रहे हैं कि पिछले 8 साल में नौकरी के लिए 22 करोड़ 5 लाख 99 हजार 238 आवेदन दिए गए थे। केंद्र की सरकार सिर्फ 7 लाख 22 हजार 311 लोगों को ही नौकरी दे पाई। यह आंकड़े 2014 से लेकर 2022 तक के हैं। नीरज कुमार कहते हैं कि जब लोकसभा में यह सवाल पूछा गया था तो केंद्र की सरकार की तरफ से जवाब दिया गया कि उन्होंने 2014 से लेकर 2022 तक महज 722311 नौकरियां ही बांटी है। जिसमें सबसे कम 2018-19 में 38100 और 2020-21 में 38850 नौकरियां दी गई हैं। नीरज कुमार आरोप लगाते हैं कि कई ऐसे सेक्टर हैं, जहां एक लाख से भी ज्यादा वैकेंसी है। फिर भी केंद्र की सरकार लोगों को नौकरी नहीं दे रही है। सेना में 1 लाख से ज्यादा रिक्त पद है, लेकिन केंद्र की सरकार बहाली नहीं कर रही है। नीरज कुमार कहते हैं कि केंद्र की सरकार व्यापारिक घरानों से इतनी घिर गई है वह नौकरी का सृजन नहीं कर पा रही है। नीरज कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार ने 8 साल में जितनी नौकरी दी है,

विपक्षी एकता के बनते बिगड़ते समीकरण

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में चंद महीने ही शेष हैं। केंद्र में वर्ष 2014 से एनडीए की सरकार विराजमान है। आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को पटकनी देने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूरी ताकत झोंक रखी है। सभी विपक्षी दलों को एक मंच पर लाने के लिए पटना में 12 जून को विभिन्न दलों के नेताओं की एक बैठक भी आहूत की गई है। इस बैठक में ह्यऊंट किस करवटह्न बैठेगा, यह तो समय बताएगा लेकिन एक बात तो स्पष्ट है कि सभी दलों को एक फामूर्ले पर सहमत करना ह्यलोहे के चने चबानाह्न जैसा ही है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी एकता की मुहिम में जुटे हुए हैं। उन्होंने विभिन्न राज्यों का दौरा कर वहां के क्षेत्रीय दलों के प्रमुखों से भेंट की है। उन्होंने अब तक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, एनसीपी प्रमुख शरद पंवार, टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी, जनता दल-बीजू के नवीन पटनायक, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, समाजवादी पार्टी प्रमुख मुलायम सिंह आदि से भेंटकर विपक्षी एकता के लिए बात की है। लेकिन लोकसभा के आगामी चुनाव के पूर्व सभी विपक्षी दल एक सूत्र में बंधेंगे या नहीं, इसका दरोमदार पूरी तरह से कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के रुख पर निर्भर करेगा। उल्लेखनीय है कि नवीन पटनायक इस विपक्षी गठबंधन का हिस्सा नहीं होंगे, वह पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव से पूर्व कांग्रेस आत्मसमर्पण की मुद्रा में थी। लेकिन कर्नाटक में चुनाव के नतीजे आने के बाद पार्टी का रुख बदल चुका है। अब कांग्रेस विपक्षी एकता के लिए शर्तें रख रही है। उसने स्पष्ट संकेत दिया है कि उसका बीआरएस, आम आदमी पार्टी और केरल में वाम दलों से समझौता नहीं हो सकता। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे पहले ही कह चुके हैं कि कांग्रेस नेतृत्व में विपक्षी एकता आगे बढ़ेगी। दूसरी ओर, विपक्षी दलों का मानना है कि अगर वे कांग्रेस का नेतृत्व स्वीकार करते हैं तो इससे उनका भारी नुकसान होगा। विदित है कि पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब और बिहार जैसे राज्यों में कांग्रेस का प्रदर्शन काफी खराब रहा है। ऐसे में आम आदमी पार्टी, टीएमसी, जेडीयू, आरजेडी और एनसीपी जैसे दलों को अपनी सीटों से समझौता करना पड़ सकता है। वास्तविकता तो यह है कि विपक्षी दलों को एक मंच पर लाने के पीछे नीतीश कुमार का सबसे बड़ा दांव है। प्रधानमंत्री बनने के आकांक्षी नीतीश विपक्षी एकता के साथ जनता परिवार को एकजुट करना चाहते हैं। बिहार में भाजपा से दूरी बनाने के बाद एकीकरण के लिए नीतीश की रालोद, सपा, जदएस, इनेलो और राजद से कई दौर की बातचीत हो चुकी है। नीतीश को लगता है कि अगर एकीकरण हुआ तो जनता दल परिवार में अब उनके आवाल प्रधानमंत्री पद का और कोई दावेदार नहीं है। लेकिन नीतीश कुमार के लिए यह राह बहुत सहज नहीं लग रही। एक ओर कांग्रेस ने विपक्षी एकता के लिए कांग्रेस के नेतृत्व की बात स्पष्ट तौर पर कर दी है, वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी विपक्षी एकता के लिए अपनी शर्त रख दी है। केजरीवाल ने नीतीश कुमार से कहा कि विपक्ष को एकजुट होकर केंद्र की भाजपा सरकार के उस अध्यादेश का संसद से लेकर सड़क तक विरोध करना चाहिए, जिसके जरिए केंद्र सरकार ने दिल्ली में प्रशासनिक सेवाओं पर अधिकार से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने का काम किया है। उनका मानना है कि अगर राज्यसभा में सभी गैर भाजपा दल इस मुद्दे पर एकजुट हो जाएं तो केंद्र सरकार के लिए इस अध्यादेश से जुड़े बिल को पारित करना संभव नहीं होगा। अगर राज्यसभा में ऐसा हो गया तो ये एक तरह से 2024 का सेमीफाइनल होगा। लेकिन अहम सवाल यह है कि केजरीवाल वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए विपक्षी मोर्चा बनाने और उसका हिस्सा बनने की बात नहीं कर रहे हैं। बावजूद इसके इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि केजरीवाल अब विपक्षी एकता के लिए जरूरी अवयव बन गए हैं। इसका प्रमुख कारण है कि आज आम आदमी पार्टी दिल्ली और पंजाब में अत्यंत मजबूत स्थिति में है। इसके अलावा आम आदमी पार्टी अपने संगठन को मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और छत्तीसगढ़ में मजबूत करने में जुटी हुई है। उल्लेखनीय है कि देश की राजधानी दिल्ली में वर्ष 2014 और 2019 दोनों ही लोकसभा चुनाव में सभी सात सीटों पर भाजपा ने ही अपना परचम लहराया था। लेकिन आज आम आदमी पार्टी की स्थिति यहां कमजोर नहीं है। वर्ष 2015 और 2020 में दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने लगातार दो बार ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। वर्ष 2015 में उसे 70 में से 67, जबकि 2020 में आम आदमी पार्टी को 70 में 62 सीटों पर जीत मिली थी। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के अलावा भी कुछ नेता ऐसे हैं जिनकी अपनी महत्वकांक्षाएं हिलोरे मार रही हैं। तेलंगाना राष्ट्रसमिति (टीआरएस) के नेता और सीएम के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने अपनी एक रैली में सवाल किया था कि क्या उनको राष्ट्रीय राजनीति में जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने देश भर में किसानों को बिजली-पानी फ्री करने का वादा भी कर दिया। वह गलवान में शहीद हुए सैनिकों के परिजनों को आर्थिक मदद का कार्यक्रम भी चला रहे हैं। हालांकि प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के लिए एनसीपी के शरद पवार ने बेशक खुद कोई इच्छा न जताई हो, लेकिन उनकी पार्टी बात-बात पर शरद पवार को इस पद का उम्मीदवार बताने से नहीं चूकती है।

मध्य प्रदेश में युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल

ANALYSIS

लोकेन्द्र सिंह

मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के अंतर्गत युवाओं को कौशल सिखाने के लिए 703 कार्य क्षेत्र चिह्नित किए गए हैं, जिनमें इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, सिविल, प्रबंधन, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट से लेकर मार्केटिंग, होटल मैनेजमेंट, टूरिज्म, ट्रेवल, अस्पताल, आईटी सेक्टर और सेवा क्षेत्र शामिल हैं। एक महत्व की बात यह है कि जो भी युवा इस योजना के अंतर्गत पंजीयन कराएंगे, उन्हें खानापूर्ति प्रशिक्षण नहीं दिया जाएगा अपितु वर्तमान समय में इंडस्ट्री की मांग के अनुरूप ही प्रशिक्षण मिलेगा। सरकार प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ अनुबंध कर रही है, ताकि युवाओं को उन्हीं संस्थानों में व्यावहारिक प्रशिक्षण मिले। इससे युवाओं के लिए दोहरे अवसर बनेंगे। युवा जिन संस्थाओं में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे, बहुत हद तक संभव है कि प्रशिक्षण उपरान्त उन्हीं संस्थानों में युवाओं को काम का अवसर भी मिल जाए इस महती योजना का पहला चरण सात जून से शुरू हो जाएगा, जिसके तहत युवाओं को प्रशिक्षण देनेवाले संस्थानों का पंजीयन किया जाएगा।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर सरकार ने 'मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना' की नींव रखी है। सरकार का उद्देश्य है कि इस योजना के आधार पर 'आत्मनिर्भर युवा-आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश' की सुंदर इमारत खड़ी हो। निःसंदेह, युवाओं के हाथ में हुनर होगा, तो वे राष्ट्र निर्माण के यज्ञ में आगे बढ़कर आहुति देंगे। आज प्रदेश ही नहीं, अपितु देश की सबसे बड़ी ताकत हमारी युवा जनसंख्या है। भारत दुनिया का सबसे अधिक युवा जनसंख्या का देश है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की रिपोर्ट 'द स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट-2023' के अनुसार, भारत में 26 प्रतिशत जनसंख्या का आयुवर्ग 10 से 24 साल है। वहीं, सबसे ज्यादा 68 प्रतिशत आबादी 15 से 64 वर्ष के आयुवर्ग में है। एक ओर यह सुखद तथ्य है, तो दूसरी ओर इस युवा शक्ति का सही दिशा में उपयोग करने की कठिन चुनौती भी हमारे सामने है। कोई युवाओं को 'बेरोजगारी भत्ता' देने की बात कह रहा है, तो कोई अन्य प्रकार से बहलाने की कोशिश कर रहा है, ऐसे सभी प्रकार के विमर्शों के बीच मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार ने 'मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना' के रूप में सराहनीय एवं अनुकरणीय पहल की है।

यह मानने के अनेक कारण उपलब्ध हैं कि 'बेरोजगारी भत्ता' युवा शक्ति की धार को कुंद कर सकता था। युवाओं के हाथ में केवल चार-पांच हजार रुपये देने से स्थायी समाधान नहीं निकल सकता था। चौहान और उनकी सरकार ने अच्छा निर्णय लिया कि युवाओं को उनकी रुचि का काम सिखाकर, उनके हाथों को सदा के लिए सशक्त कर दिया जाए। युवाओं को प्रशिक्षण के दौरान उनकी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर 8 हजार से 10 हजार रुपये तक का आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया जाएगा। अर्थात युवा हुनर सीखने के साथ भी कमाएगा और सीखने के बाद तो उसकी कमाई के अनेक रास्ते खुल ही जाने हैं। मुख्यमंत्री का यह कहना उचित ही है- 'बेरोजगारी भत्ता बेमानी है। नई योजना, युवाओं में क्षमता संवर्धन कर उन्हें पंख देने की योजना है, जिससे वे खुले आसमान में ऊंची उड़ान भर सकें और उन्हें रोजगार, प्रगति और विकास के नित नए अवसर मिलें'।

मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के अंतर्गत युवाओं को कौशल सिखाने के लिए 703 कार्य क्षेत्र चिह्नित किए गए हैं, जिनमें इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, सिविल, प्रबंधन, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट से लेकर मार्केटिंग, होटल मैनेजमेंट, टूरिज्म, ट्रेवल, अस्पताल, आईटी सेक्टर और सेवा क्षेत्र शामिल हैं। एक महत्व की बात यह है कि जो भी युवा इस योजना के अंतर्गत पंजीयन कराएंगे, उन्हें खानापूर्ति प्रशिक्षण नहीं दिया जाएगा अपितु वर्तमान समय में इंडस्ट्री की मांग के अनुरूप ही प्रशिक्षण मिलेगा। सरकार प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ अनुबंध कर रही है, ताकि युवाओं को उन्हीं संस्थानों में व्यावहारिक प्रशिक्षण मिले। इससे युवाओं के लिए दोहरे अवसर बनेंगे। युवा जिन संस्थाओं में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे, बहुत हद तक संभव है कि प्रशिक्षण उपरान्त उन्हीं संस्थानों में युवाओं को काम का अवसर भी मिल जाए।

इस महती योजना का पहला चरण सात जून से शुरू हो जाएगा, जिसके तहत युवाओं को प्रशिक्षण देनेवाले संस्थानों का पंजीयन किया जाएगा। दूसरे चरण में 15 जून से काम सीखने के इच्छुक युवाओं का पंजीयन शुरू किया जाएगा और तीसरे चरण में 15 जुलाई से प्लेसमेंट शुरू होगा। इस योजना के अंतर्गत एक अगस्त से युवा कार्य आरंभ कर देंगे। शासकीय योजनाओं की समीक्षा करनेवाले विशेषज्ञ भी इस योजना को क्रांतिकारी पहल मान रहे हैं। उनका भी यही मानना है कि मुफ्त में पैसा देकर युवाओं की आदत बिगाड़ने की अपेक्षा उनको पैरों पर खड़ा होना सिखानेवाला यह नवाचार स्वागतयोग्य है।

देश-प्रदेश के युवाओं की सराहना करनी होगी कि उन्हें भी बिना परिश्रम की कमाई का लोभ नहीं है। याद हो, पिछले लोकसभा चुनाव के पूर्व प्रत्येक व्यक्ति को 'बेसिक इनकम' देने का सपना दिखाया गया था। परंतु युवाओं ने इस विचार को नकार दिया क्योंकि वह हुनर सीखना चाहता है, अपने कौशल से आजीविका कमाना चाहता है। युवाओं को यह समझ है कि मुफ्त की कमाई के लिए देश और समाज को बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। हमें याद रखना चाहिए कि स्विट्जरलैंड ने नागरिकों ने भी 'बिना काम किए घर बैठकर वेतन प्राप्त करने के विचार' को नकार कर दुनिया के सामने श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत किया है। वर्ष 2016 के आसपास जब दुनिया में यह बहस चल रही है कि रोजगार की कमी, गरीबी और आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए घर बैठे प्रत्येक व्यक्ति को न्यूनतम और एक समान वेतन दिया जाना चाहिए, उस वक्त में स्विट्जरलैंड के स्वाभिमानी नागरिकों ने इस विचार को खारिज कर संदेश दिया है कि इस व्यवस्था से समस्याएं सुलझने की जगह और अधिक उलझ जाएंगी। डेनियल और एनो ने स्विट्जरलैंड में यूनिवर्सल बेसिक सेलरी का अभियान शुरू किया था। उनके प्रस्ताव के अनुसार, स्विट्जरलैंड का प्रत्येक नागरिक या वहां पांच साल से नियमित रहने वाला व्यक्ति सम्मानपूर्वक अपना भरण-पोषण कर सके, इसके लिए बच्चों को करीब 42 हजार रुपये और बड़ों को एक लाख 71 हजार रुपये प्रति महीना न्यूनतम वेतन दिया जाना चाहिए। स्विट्जरलैंड सरकार ने जब बेसिक सैलरी के प्रस्ताव पर जनमत संग्रह (मतदान) करवा तब 77 प्रतिशत नागरिकों ने स्पष्ट संदेश दिया कि मुफ्त का पैसा देश, समाज और व्यक्ति यानी किसी के लिए भी ठीक नहीं है।

मध्य प्रदेश के संदर्भ में एक आंकड़े के अनुसार, लगभग 37 लाख शिक्षित बेरोजगार हैं। हालांकि सबको बेरोजगार कहना उचित नहीं होगा, क्योंकि इनमें से बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की है, जो अभी भी उच्चतम शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और ऐसे भी युवा इसमें शामिल हो सकते हैं, जो अपने वर्तमान काम से संतुष्ट नहीं होंगे। कुल मिलाकर कहना होगा कि प्रदेश सरकार के सामने बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार दिलाने या उन्हें रोजगार का सृजन करने के लिए दक्ष करने की महती जिम्मेदारी है। संतोषजनक बात यह है कि अपनी जिम्मेदारी को भली प्रकार समझकर, युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए, सरकार ने ठीक दिशा में ठोस कदम उठाना शुरू कर दिया है। जो युवा सरकारी सेवा में जाना चाहते हैं, उनके लिए भी यह सरकार अवसर उपलब्ध करा रही है। सरकार की ओर से एक लाख पदों पर भर्ती की प्रकिया संचालित की जा रहा है।

यहां उल्लेख करना आवश्यक होगा कि युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से शिवराज सरकार मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भारत का सबसे बड़ा 'संत रविदास ग्लोबल स्किल पार्क' का निर्माण करा रही है। लगभग 1 हजार 548 करोड़ रुपये की लागत से सिंगापुर के तकनीकी परामर्श एवं सहयोग से इसका निर्माण 30 एकड़ क्षेत्र में किया जा रहा है। ग्लोबल स्किल पार्क के प्रारंभ में 6 हजार युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण दिया जाएगा, बाद में हर साल करीब 10 हजार युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य राज्य सरकार ने निर्धारित किया है।

समग्र दृष्टि से सरकार के प्रयासों का मूल्यांकन करें, तब स्पष्ट दिखाई देता है कि आत्मनिर्भर भारत और आत्म निर्भर मध्य प्रदेश की संकल्पना को साकार करने के लिए शिवराज सरकार कौशल उन्नयन के माध्यम से युवाओं को दक्ष बनाने के लिए साथ ही उद्यमिता की ओर प्रोत्साहित कर रही है। यदि युवा उद्यमिता को अपनाते हैं, तब प्रदेश में रोजगार के अवसरों का तेज गति से सृजन होगा। इस संदर्भ में शिवराज सिंह चौहान ने अपना संकल्प भी व्यक्त किया है- 'स्व-रोजगार के हमारे प्रयास निरंतर जारी हैं। प्रतिमाह रोजगार दिवस का आयोजन किया जा रहा है। हमारा संकल्प है कि युवाओं को बेरोजगार नहीं रहने देंगे'। उनके इस संकल्प को पूरा करने में 'मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना' महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक हैं।)

अंतरिक्ष युद्ध की आहट और रणनीतिक सकपकाहट

युद्ध पाशविक प्रवृत्ति है। मनुष्य ने पशुओं के संसर्ग में आकर यह प्रवृत्ति सीखी है। हालांकि पशु तो महज भोजन के लिए एक-दूसरे पर आक्रमण करते हैं, लेकिन मनुष्य तो सिर्फ अपने अहंकार की संतुष्टि के लिए और कभी कभार गुटबंदी के लिए ऐसा करता है। इसलिए किसी भी संभावित युद्ध से बचने का बस एक ही उपाय यह है कि खुद को इतना मजबूत और शक्तिशाली बना लिया जाए कि हमलावर आक्रमण करने से पहले सौ बार सोचे। केंद्र में सत्तारूढ़ मोदी सरकार पिछले नौ वर्षों से यही कर रही है, जिससे दुनिया का शक्ति-संतुलन गड़बड़ाने लगा है।

यह सरकार अपने राष्ट्रीय हितों और वैश्विक जरूरतों के बारे में इतनी सजग है कि वसुधैव कुटुम्बकम के शाश्वत व अकाट्य भारतीय सिद्धान्तों, जिससे गुटनिरपेक्षता भी ओत-प्रोत है, के आगे अमेरिकन लॉबी और रशियन लॉबी की एक नहीं चलने दे रही है। यहां पर अमेरिकन लॉबी का मतलब अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी जैसे नाटो देशों से है। जबकि रशियन लॉबी का मतलब रूस, चीन, उत्तर कोरिया, ईरान, तुर्की जैसे सीटो देशों से है। भारत तीसरी दुनिया के देशों को साधकर दुनिया के बहके हुए विकसित देशों के निरंकुश व्यक्तिगत और सामूहिक स्वार्थों को संतुलित करने की जद्दोजहद में जुटा हुआ है और अपने लक्ष्यों को धीरे- धीरे ही सही, लेकिन दृढ़तापूर्वक प्राप्त कर रहा है। इन मसलों पर फ्रांस, इजरायल और जापान जैसे देश भारत की खुलकर मदद भी करते हैं।

इन वार लव ट्रायंगल जैसे त्रिकोणीय युद्ध हालातों के बीच भले ही तीसरा विश्व युद्ध टलता जा रहा हो, लेकिन अमेरिकी गुट और रूसी गुट की वैश्विक बादशाहत को बनाये रखने के लिए जो छोटे-छोटे युद्ध हो रहे हैं, वो इस बात की चुगली कर रहे हैं कि प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध को झेल चुकी यह दुनिया आखिरकार कबतक तीसरा विश्व युद्ध टाल पाएगी। क्या प्रथम विश्व युद्ध के गोला बारूद, द्वितीय विश्व युद्ध के परमाणु बम की तरह तीसरे विश्व युद्ध में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कोई नया गुल खिलाएगी और इस बार जल, थल, नभ के अलावा अन्तरिक्ष में भी युद्ध होगा। यदि अंतरिक्ष युद्ध की नौबत आई तो अमेरिका-ब्रिटेन गुट और रूस-चीन गुट की तरह क्या भारत को भी जापान और फ्रांस के साथ मिलकर कोई अंतरिक्ष गुट तैयार कर लेना चाहिए। यह सब बातें मैं इसलिए कर रहा हूं, क्योंकि हाल ही में अमेरिकी सेना के एक अधिकारी ने कहा था कि अगर जरूरत पड़ी तो हम अंतरिक्ष में भी युद्ध करने के लिए तैयार हैं। आपकी याददाश्त ताजा करा दें कि रूसी और चीनी अधिकारी भी पूर्व में ऐसी धमकियां दे चुके हैं। यदि ऐसा हुआ तो जल, थल, नभ युद्ध से ज्यादा बबार्दी अंतरिक्ष युद्ध से होगी, क्योंकि सूचना तकनीक और सूचना क्रांति के सहारे तेजी से आगे बढ़ती हुई यह दुनिया सेटेलाइट गिरते ही अचानक ठहर जाएगी और सबकुछ अस्त-व्यस्त हो जाएगा। इससे जनजीवन इतना प्रभावित होगा कि बिना मारे ही अन्य कारणों से लोग बर्बाद हो जाएंगे। भूख-प्यास-तनाव से मर जायेंगे। यदि उपर्युक्त अमेरिकी अधिकारी की बातों पर गौर करें तो उसने साफ बताया कि रूस के लगातार आक्रामक रवैये और चीन की अंतरिक्ष में ताकत बनने की महत्वाकांक्षा से अमेरिका सशंकित है और अपनी वैश्विक बादशाहत पर मंडराता खतरा देख वह किसी भी हद से गुजर सकता है। इतिहास साक्षी है कि जब-जब राजाओं को अपनी गद्दी छिनने का खतरा होता था तो वो युद्ध का बिगुल फूंक देते थे। लोकतांत्रिक वाकयुद्ध और चुनावी साल में छिड़े सीमाई युद्ध की वजह भी प्रायः यही बताए जाते हैं। अमेरिका के अंतरिक्ष नियंत्रण में नीति, योजना और रणनीति विभाग में उपनिदेशक ब्रिगेडियर जनरल जेसी मोरहाउस मई 2023 के तीसरे सप्ताह में दो देशों की अंतरिक्ष संचालन शिखर सम्मेलन 2023 में शिरकत करने लंदन पहुंचे थे। जहां ब्रिटेन और अमेरिका की अंतरिक्ष में संयुक्त क्षमताओं पर खुलकर चर्चा की गई थी। इसके बाद अमेरिकी दूतावास में मोरहाउस ने जो कुछ कहा, वह रूस-चीन के लिए स्पष्ट संकेत है कि अगर रूस-यूक्रेन युद्ध नहीं थमा और फिर चीन-ताईवान युद्ध भड़का तो फिर अमेरिका वह कर सकता है, जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता।

उन्होंने दो टूक कहा कि यदि हमें जरूरत पड़ी तो हम आज रात में भी अंतरिक्ष में युद्ध लड़ने के लिए तैयार हैं। अगर कोई भी देश अमेरिका को धमकाता है या हमसे सम्बन्ध रखने वाले अथवा हमारे साथ रक्षा सम्बन्धों पर समझौते कर चुके देशों को किसी तरह से परेशान करने की कोशिश करता है या उनके किसी हित में बाधा पहुंचाता है तो हम आज रात ही लड़ने को तैयार हैं। यदि आपको अंतरिक्ष युद्ध की बरीकीपूर्वक समझ है तो यह अमेरिका का ऐसा मास्टर स्ट्रोक साबित होगा, जिससे रूस के दो मजबूत और करीबी देश चीन-भारत की अर्थव्यवस्था व जनजीवन तबाह हो जाएगा। फिर रूस के सामने हथियार डालने के अलावा कोई चारा भी नहीं बचेगा।

इसलिए भारत को चाहिए कि वह अंतरिक्ष युद्ध के संभावित दुष्प्रभावों को रोकने के लिए एक मजबूत रणनीति बनाए। साथ ही, अमेरिका-रूस के बीच ऐसी नौबत न आने दे कि अमेरिका को एक बार फिर से अपना रौद्र रूप दिखाना पड़े, जैसा कि वह द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 6 अगस्त 1945 को जापान के दो महत्वपूर्ण शहर हिरोशिमा और नागासाकी पर दो परमाणु बम गिराकर दे चुका है। वियतनाम, लीबिया, इराक पर अमेरिकी भूमिका जगजाहिर है। अफगानिस्तान-पाकिस्तान के बीच चले हिंसक दांवपेच में भी वह बदनाम रहा है। ऐसे दुर्दांत देश को यूक्रेन में उसकी हद बताने के लिए रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन द्वारा किया जा रहा यौद्धिक प्रयत्न सराहनीय है।

Social Media Corner

सच के हक में...

भारत जोड़ो यात्रा का संदेश - साथ चलो और खोलते जाओ, नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकानें।

(राहुल गांधी के ट्विटर अकाउंट से)

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी ने देश की चारों दिशाओं में तीर्थस्थानों का जीर्णोद्धार कर सनातन संस्कृति के गौरव को पुनर्स्थापित किया। लोककल्याण हेतु उनकी कर्तव्यशीलता व जनसेवा के आदर्श ध्रुव तारे की तरह सदैव पथ प्रदर्शित करते रहेंगे। ऐसी महान विभूति को उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन।

(गृह मंत्री अमित शाह के ट्विटर अकाउंट से)

गंगा दशहरा के दिन प्रचुर जलराशि के साथ गंगा जी धरती पर आईं। अगले दिन की एकादशी को हमारे पुरखों ने निर्जला एकादशी घोषित किया। दशमी को मिला जल का अकूत भंडार-एकादशी को लिया जल का एक घूंट भी नहीं लेने का संकल्प व्रत जल संरक्षण के बारे में पुरखों की यह सोच आज सर्वाधिक प्रासंगिक है।

(सरयू राय के ट्विटर अकाउंट से)

विरोध बनाम व्यवस्था

पहलवानों के विरोध प्रदर्शन को दिल्ली पुलिस ने उसी तरह कुचल दिया, जैसे कुछ साल पहले रामलीला मैदान में चल रहे बाबा रामदेव के आंदोलन को रात में खत्म करा दिया था। कुछ दिनों पहले पहलवानों ने एलान कर रखा था कि जिस दिन नए संसद भवन का उद्घाटन होगा, उस दिन महिलाएं वहां पहुंच कर पंचायत करेंगी। इसके लिए देश भर से महिलाओं के दिल्ली पहुंचने का आह्वान भी किया गया था। महिला पंचायत की रूपरेखा भी घोषित कर दी गई थी कि कोई भी हिंसक बर्ताव नहीं करेगा। अगर पुलिस बर्बरता करती है, तो भी सत्याग्रह का रास्ता नहीं छोड़ा जाएगा। हालांकि दिल्ली पुलिस ने उनसे अनुरोध किया था कि वे नए संसद भवन के आसपास न पहुंचें। मगर पहलवानों ने अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नए संसद भवन की तरफ बढ़ना शुरू कर दिया। फिर पुलिस ने बल प्रयोग किया और पहलवानों को गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ कई धाराएं लगा दीं। जंतर मंतर पर उनके तंबू उखाड़ दिए गए। वहां से उनका सारा सामान उठा कर जगह खाली करा ली गई। अब पुलिस का कहना है कि पहलवान जंतर मंतर पर धरना नहीं दे सकेंगे। अगर वे धरना देना चाहते हैं, तो उन्हें नए सिरे से इजाजत लेनी पड़ेगी, मगर पुलिस तय करेगी कि उन्हें धरने के लिए कहां जगह उपलब्ध कराई जाए। हालांकि पहलवान अब भी जंतर मंतर पर ही धरने की मांग पर अड़े हैं, मगर पुलिस ने एक तरह से उनके आंदोलन को कुचल दिया है। इस तरह कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ लगे महिला खिलाड़ियों के यौन शोषण का मामला भी किनारे हो गया है। इस साल फरवरी में महिला पहलवानों ने उन पर यौन शोषण का आरोप लगाते हुए धरना शुरू किया था। तब बृजभूषण शरण सिंह को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था और इस मामले की जांच के लिए एक समिति गठित कर दी गई थी। मगर समिति ने कोई सकारात्मक रुख नहीं दिखाया, जिसके चलते खिलाड़ी पिछले महीने फिर से धरने पर बैठ गए थे। उन्हें व्यापक समर्थन मिला। हैरानी की बात है कि इतना गंभीर आरोप लगने के बावजूद दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण शरण के खिलाफ कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया। सर्वोच्च न्यायालय में गुहार लगाई गई, तो उसने दिल्ली पुलिस को फटकार लगाई। तब बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ। उसमें पाक्सो कानून की धारा भी लगी हुई है, जिसके तहत आरोपी की तुरंत गिरफ्तारी अनिवार्य है। मगर मुकदमा दर्ज करने के बाद दिल्ली पुलिस चुप्पी साधे रही और बृजभूषण शरण सिंह मुक्त घूमते और खिलाड़ियों के खिलाफ बयान देते रहे। दिल्ली पुलिस के रवैए से पहले ही साफ था कि वह खिलाड़ियों को थकाना चाहती है, ताकि वे अपना धरना खुद उठा लें। ऐसा नहीं हुआ, तो उसे नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में बाधा पहुंचाने का बहाना हाथ लग गया और उसने उनके आंदोलन को तहस-नहस कर डाला। यह ठीक है कि शहर की कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह की गरिमा की रक्षा करने का दायित्व उस पर था।

I WANT TO SAY...

दो हजार रुपये के नोट को बंद किया जाना सरकार की रणनीतिक योजना लग रही है। इसको लेकर तरह-तरह की चचाएं लोगों के बीच चल रही हैं। अच्छी बात यह है कि इस बार लोगों के बीच उस तरह की आपाधापी नहीं देखी जा रही है जैसी पिछली बार नोटबंदी के समय थी। उस समय पांच सौ और हजार के नोट अचानक बंद कर दिए गए थे। लोगों के बीच अफरातफरी मच गई थी। पहले तो नोट बदलवाने की भीड़ लगने लगी। एटीएम के बाहर तक लगीं कतारें लोगों को याद हैं। हालांकि इस बार सिर्फ दो हजार रुपये के नोट को वापस लिए जाने की बात है। इसके लिए भी लोगों के पास पर्याप्त समय दिया गया है। इस बार अफरातफरी नहीं मचने का एक अहम कारण यह भी है कि दो हजार के नोट के वापस लिए जाने की घोषणा के पहले से ही ये नोट बाजार से गायब थे। एटीएम भी सिर्फ पांच सौ-पांच सौ के नोट उगल रहे थे। लोग चर्चा करते सुने जाते थे कि आखिर दो हजार के नोट कहां गायब हो गए। जाहिर है कि आम लोगों पर कोई खास फर्क नहीं पड़ रहा है। इतना जरूर है कि जिस तरह घोषणा की गई उसी के अनुरूप नोट वापस करने की प्रक्रिया को सरल और सहज बनाए रखा जाए। इसकी सतत निगरानी की जाए कि किसी को भी नोट वापस करने में कोई दिक्कत नहीं आए। सरकारी मुद्रा को लेने से मना करना अपराध की श्रेणी में आता है। कुछ खबरों के मुताबिक कहीं-कहीं पेट्रोल पंपों पर दो हजार के नोट लेने से इन्कार किया जा रहा है। वजह बताई जा रही है कि सौ-पचास का तेल भरा दो हजार का नोट थमाया जा रहा है। इस तरह की दिक्कतों को कैसे दूर किया जाए, इसपर विचार करना होगा।

THE PHOTON NEWS

मो फुरकान, केंद्रीय उपाध्यक्ष आमया संगठन।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PRIVATE LIMITED, Kathitand, Near Tender Bagicha, P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001.Editor-Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

पाकिस्तान को एकदिवसीय विश्वकप के लिए भारत दौरे के लिए मना रहा आईसीसी

कराची (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष और सीईओ अभी पाकिस्तान दौरें पर हैं और वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को इस बात के लिए मना रहे हैं कि वह भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में अपने मैचों के लिए हाइब्रिड मॉडल (तटस्थ स्थल पर मैचों का आयोजन) करने की मांग न करे। बार्कले और एलार्डिस अभी लाहौर में हैं और पीसीबी को इस बात के लिए सहमत करने में लगे हैं कि वह अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए भारत का दौरा करे। इससे पहले पीसीबी के प्रमुख नजम सेठी ने कहा था कि अगर भारतीय टीम एशिया कप के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी तो फिर उनकी टीम भी विश्वकप के लिए भारत नहीं जाएगी। इसके बाद ही आईसीसी अधिकारी पीसीबी से बात करने में लगे हैं।

आईसीसी और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को आशंका है कि नजम सेठी विश्वकप के लिए भी हाइब्रिड मॉडल को अपनाने पर जोर दे सकते हैं। सेठी ने हालांकि हाइब्रिड मॉडल का सुझाव विश्वकप से पहले होने वाले एशिया कप के लिए दिया है पर आईसीसी अधिकारी इस बात को लेकर चिंतित हैं कि अगर इस क्षेत्रीय प्रतियोगिता के लिए यह मॉडल स्वीकार कर लिया जाता है तो पीसीबी पाकिस्तान के भारत में खेलने के सवाल पर आईसीसी से विश्वकप में भी इस मॉडल को लागू करने की मांग कर सकता है। सेठी ने पहले ही कहा था यदि पाकिस्तान सरकार सुरक्षा कारणों से टीम को भारत भेजने की अनुमति नहीं देती है तो पीसीबी ऐसी स्थिति में आईसीसी से पाकिस्तान के मैच तटस्थ स्थान पर करवाने के लिए कहेगा।

सूत्रों ने कहा, ''स्वाभाविक है कि आईसीसी और बीसीसीआई इस तरह की स्थिति नहीं चाहते क्योंकि इससे भारत-पाकिस्तान मैच और यहां तक कि टूर्नामेंट की सफलता भी प्रभावित होगी। एक अन्य सूत्र ने कहा कि यही वजह है कि बीसीसीआई के सचिव जय शाह एशिया कप के लिए हाइब्रिड मॉडल को स्वीकार नहीं कर रहे हैं जिसके तहत तीन या चार मैचों का आयोजन पाकिस्तान में और बाकी मैचों का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात या श्रीलंका में होगा। वहीं पीसीबी प्रमुख ने इससे पहले कहा था कि अगर भारतीय टीम एशिया कप के लिए पाक नहीं आती तो वे भी विश्वकप के लिए भारत नहीं जाएंगे।

भारत के किरण ने चीन के युकी को हराकर किया उलटफेर

-अश्मिता और साइना भी अगले दौर में पहुंचे

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत के किरण जॉर्ज ने विश्व के नौवें नंबर के खिलाड़ी चीन के शी युकी को सीधे गेम में हराकर थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। वहीं महिला युगल में भारत की ही अश्मिता चाहिला और साइना नेहवाल ने भी जीत के साथ ही अगले दौर में जगह बनाई हालांकि पुरुष एकल में भारत के शीर्ष खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत और बी साई प्रणीत पुरुष को हार का सामना करना पड़ा। भारत के किरण ने पुरुष एकल में युकी को 21-18 22-20 से हराकर एक बड़ा उलटफेर कर सबको हैरान कर दिया।

किरण अब अगले दौर में चीन के वेंग होंग येंग से खेलेंगे। वहीं अन्य मुकाबलों में क्वालीफायर अश्मिता ने अपने ही देश की मालविका बंसोड़ को 21-17 21-14 से हराया जबकि साइना ने कनाडा की वेन यू झेंग को 21-13 21-7 से पराजित किया। अश्मिता अब अगले दौर में कैरोलिना मारिन का सामना करेंगी। वहीं साइना का सामना चीन की ही बिंग जियाओ से हो सकता है। श्रीकांत को चीन के वेंग होंग येंग के खिलाफ 8-21 21-16 14-21 से हार का सामना करना पड़ा जबकि समीर वर्मा को डेनमार्क के मैग्नस योहानसेन ने 15-21 15-21 से हराया। प्रणीत को फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने 14-21 16-21 से हराया।

आईपीएल में एक बार भी अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये गेल, डिविलियर्स और विराट

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल में तीन ऐसे खिलाड़ी भी हैं जिन्होंने रनों में तो रिकार्ड बना दिया पर उनकी टीम कभी भी खिताब नहीं जीत पायी है। इन खिलाड़ियों में विराट कोहली, ए बी डिविलियर्स और क्रिस गेल जैसे स्टार बल्लेबाज हैं। गेल के नाम टी20 में सबसे बड़े स्कोर 175 रनों का भी रिकार्ड है। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के पूर्व कप्तान विराट ने आईपीएल 2016 में सबसे ज्यादा 973 रन बनाये थे। लीग के एक सत्र में किसी खिलाड़ी के बल्ले से निकले सबसे ज्यादा रनों का यह रिकॉर्ड आज भी बना हुआ है। इसके करीब भी अन्य बल्लेबाज नहीं पहुंच पाये हैं।

इसी प्रकार दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज डिविलियर्स भी अपनी धमाके दार बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इसके बाद भी वह कभी भी अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये।इन दोनों के अलावा क्रिस गेल भी अपनी बल पर बड़ा स्कोर बनाते आये हैं पर वह भी अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये हैं।

आईपीएल में गेल ने फ्रेंचाइजी बदल-बदलकर कर देखा पर वह अपनी टीम को एक बार भी जीत नहीं दिला पाये। लीग में जमकर रन बनाने वाले गेल के नाम कई रिकॉर्ड दर्ज हैं, जिनके करीब कोई अन्य बल्लेबाज नहीं पहुंच पाया है।

ट्रॉफी के साथ सीएसके प्रबंधन ने की तिरुपति बालाजी मंदिर में पूजा

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स टीम (सीएसके) टीम प्रबंधन ने पांचवीं बार आईपीएल खिताब जीतने पर तिरुपति बालाजी मंदिर में विशेष पूजा करायी है। इस दौरान टीम प्रबंधन के सदस्य ट्रॉफी के साथ मंदिर पहुंचे। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के पुजारियों ने भी तमिल रीति-रिवाज के साथ ट्रॉफी की पूजा की। हालांकि इस दौरान खिलाड़ी वहां नहीं थे। सीएसके प्रबंधन पहले भी आईपीएल जीतने के बाद ट्रॉफी को मंदिर ले जाया करता था। यह सीएसके टीम मैनेजमेंट की परम्परा का ही एक हिस्सा है। फ्रैंचाइजी के मालिक एन. श्रीनिवासन ने भी टीम की जीत के तत्काल बाद मंदिर पहुंचकर भागवान बालाजी के दर्शन कर आभार प्रकट किया था।

वहीं फाइनल में मिली जीत को सीएसके फ्रैंचाइजी के मालिक एन. श्रीनिवासन ने 'चमत्कार' बताया था। उन्होंने कहा था कि दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में ही ऐसा कुछ हो सकता है। श्रीनिवासन ने फाइनल की अगली सुबह सुपरकिंग्स के कप्तान धोनी से बात की और इस शानदार जीत के लिए उन्हें और उनकी टीम को बधाई भी दी।

श्रीनिवासन ने धोनी से कहा, 'शानदार कप्तान। आपने करिश्मा कर दिया। आप ही ऐसा कर सकते हैं। हमें खिलाड़ियों और टीम पर गर्व है।' उन्होंने पिछले कुछ दिनों में लगातार मुकाबलों के बाद धोनी को आराम करने की सलाह दी और जीत का जश्न मनाने के लिए उन्हें टीम के साथ चेन्नई आने के लिए आमंत्रित किया।

डब्ल्यूटीसी फाइनल मुकाबले के लिए अभ्यास में लगे रोहित

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने सात जून से होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल मुकाबले के लिए अभ्यास शुरु कर दिया है। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा।

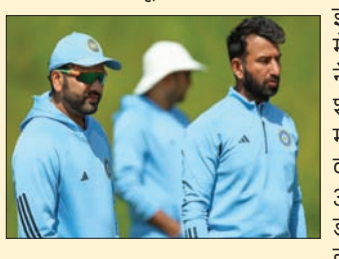

इसके लिए दोनो ही टीमें तैयारियों में लगी हैं। इसी कड़ी में आईसीसी ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जारी किया है। इस वीडियो में रोहित मैदान में जमकर अभ्यास करते दिख रहे हैं। डब्ल्यूटीसी के मुकाबलों में अब तक रोहित खासे सफल रहे हैं। वह इसमें सबसे अधिक रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं जबकि विराट कोहली रन बनाने के नाम पर पहले नंबर पर हैं। रोहित ने इस टूर्नामेंट में 2019 से अबतक कुल 22 मुकाबले खेलते हुए 36 पारियों में 52.76 की औसत से 1794 रन बनाये हैं। डब्ल्यूटीसी में उनके नाम छह शतक और चार अर्द्धशतक भी शामिल हैं। उनका सबसे बेहतर रिकार्ड 212 रन रहा है। रोहित ने अबतक कुल 49 टेस्ट की 83 पारियों में 45.66 की औसत से 3379 रन बनाये हैं। उन्होंने नाम टेस्ट क्रिकेट में एक दोहरा शतक, नौ शतक और 14 अर्द्धशतक लगाये हैं।

हार के बाद रात भर नहीं सो पाये थे गुजरात के गेंदबाज मोहित

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज मोहित शर्मा आईपीएल फाइनल में मिली हार से बेहद दुखी हैं। मोहित ने कहा कि वह फाइनल में मिली हार के बाद रात भर सो भी नहीं पाये थे। मोहित ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की ओर से अंतिम ओवर किया था और वह 13 रनों को नहीं बचा पये थे जिससे सीएसके ने ये मैच जीत लिया था। 34 साल के मोहित ने इसी साल वापसी करते हुए गुजरात की ओर से शानदार प्रदर्शन किया था। वह पिछले आठ से साल से भारतीय टीम से बाहर चल रहे थे। ऐसे में उनका मनोबल बढ़ा हुआ था। एक ही ओवर में दो विकेट लेकर उन्होंने गुजरात की मैच में वापसी भी करायी थी। थे। 20वें ओवर की शुरुआती चार गेंदों में उन्होंने केवल तीन रन ही दिए। मगर पांचवीं में छक्का और छठी में चौका मारकर सीएसके के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने उनके इरादों पर पानी फेर दिया। तब कप्तान हार्दिक पंड्या ने मोहित को गले लगाकर उनका हौंसला बढ़ाया। मोहित के अनुसार हार के बाद वह बेहद परेशान थे। अंतिम ओवर में मुझे क्या करना है ये साफ था। नेट्स में मैंने ऐसे हालातों में जमकर अभ्यास किया था। इससे पहले भी मैं ऐसे हालातों से गुजर चुका था इसलिए मैंने यॉर्कर को ही अपना हथियार बनाया। चार गेंद के बाद हार्दिक मुझसे बात करने आये। वह मेरी योजना जानना चाहते थे तब मैंने कहा कि मैं यॉर्कर ही फेकूंगा। मगर गेंद वहां गिरी, जहां उसे नहीं गिरना था। इससे जडेजा उसपर शॉट खेलने में सफल हो गये। वहीं अंतिम दो गेंदों में एक छक्का और फिर चौका मारकर हीरो बने रविंद्र जडेजा ने मैच के बाद कहा , मेरे दिमाग में बस यही चल रहा था कि मुझे बल्ला जोर से घुमाना है। गेंद कहां जाएंगी, मैं इसके बारे में नहीं सोच रहा था। मैंने अपने को बैक किया। मैं गेंद को सीधा मारना चाहता था क्योंकि जानता था कि मोहित स्लोअर भी बढ़िया डाल सकता है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में रहेंगे बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जैसे हालात: स्मिथ

मुम्बई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर स्टीव स्मिथ को आशंका है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के दौरान ओवल मैदान के हालात बल्लेबाजों के अनुकूल हो सकते हैं। ऐसे में भारतीय टीम को लाभ हो सकता है। स्मिथ के अनुसार ओवल में मैच आगे बढ़ने पर उन्हें उसी तरह के हालातों का सामना करना पड़ेगा, जैसा भारत में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान देखने को मिला था। स्मिथ का संकेत ओवल में स्पिन गेंदबाजों को विकेट से सहायता मिलने की ओर है।

स्मिथ का मानना है कि इंग्लैंड में ओवल का मैदान बल्लेबाजी के लिए सबसे बेहतर है। उन्होंने कहा, ओवल में बल्लेबाजी के अनुसार उछाल और रफ्तार अच्छी होती है। यहां आउटफील्ड भी तेज है। एक बार जम जाएं तो फिर बल्लेबाजी करना और आसान हो जाता है। स्मिथ ने आगे कहा कि जैसे-जैसे टेस्ट मैच आगे बढ़ेगा ओवल में स्पिन गेंदबाजों को पिच से भी सहायता मिलेगी। इसलिए मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया को ओवल में वैसे ही हालातों का सामना करना पड़ेगा, जैसा भारत में खेली गई पिछली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में करना पड़ा था।

गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया ने इस साल फरवरी-मार्च में 4 टेस्ट की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारत का दौरा किया था। भारत ने वो सीरीज 2-1 से जीती थी। सीरीज के पहले दो टेस्ट भारत ने जीते थे। इसके बाद तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने जीत हासिल की थी।

अंडर-20 विश्वकप क्वार्टर फाइनल में पहुंची अमेरिका

ब्यूनस आयर्स। अमेरिका की टीम न्यूजीलैंड को 4-0 से हराकर अंडर-20 विश्व कप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी है। अमेरिका ने अंतिम 16 के इस मैच में शुरू से लेकर अंत तक अपना प्रभाव बनाये रखा। अमेरिका की ओर से ओवन वोल्फ ने एक गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलायी। दूसरा गोल 61वें मिनट के बाद कैडे कोवेल ने किया। इसके बाद जस्टिन चे और रोकास पुकस्टास ने दो और गोल किये। अमेरिका टूर्नामेंट में एकमात्र ऐसी टीम है जिसके खिलाफ अभी तक एक भी गोल नहीं हुआ है। अब क्वार्टर फाइनल में उसका मुकाबला गांबिया और उरुग्वे के बीच होने वाले मैच की विजेता टीम से होगा

ऋषभ की नहीं होगी दूसरी सर्जरी, विश्वकप खेलने की संभावनाएं बनीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के आक्रमक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को लेकर एक अच्छी खबर आई। कार हादसे में घायल हुए ऋषभ तेजी से ठीक हो रहे हैं और माना जा रहा है कि उनकी दूसरी सर्जरी की जरुरत नहीं पड़ेगी। ऐसे में ऋषभ के विश्वकप खेलने की संभावनाएं भी बन रही हैं। इससे पहले कहा जा रहा था कि उनके दाएं घुटने की एक और सर्जरी होगी पर अब डॉक्टरों और मेडिकल टीम का मानना है कि वह तेजी से ठीक हो रहे हैं और उनकी दूसरी सर्जरी की जरुरत नहीं है। ऋषभ बैंगलोर स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी पहुंच गए हैं, जहां उनका रिहैब होगा।

वहीं बीसीसीआई ने कहा, एक और सर्जरी को लेकर तनाव था हर 15 दिन में उनकी रिकवरी पर नजर रखी गयी थी। अच्छी बात यह है कि, उनकी रिपोर्ट उम्मीद से ज्यादा बेहतर है। यह उनके लिए उत्साह की बात है। इससे साफ है कि वह तय समय से पहले मैदान पर वापसी करेंगे। पहले कहा जा रहा था रहा था कि वह इस साल विश्व कप के बाद खेलेंगे पर अब वह विश्व कप से पहले ही फिट हो सकते हैं।

वह अब बिना बैसाखी के सहारे भी चल रह हैं। अब उनका सुधार मुख्य रूप से उनके जोश और उत्साह पर निर्भर करेगा। इसके बाद वह शीघ्र ही ट्रेनिंग भी शुरू कर सकते हैं। इसी महीने ऋषभ ने अपना एक वीडियो भी ट्वीट किया था जिसमें लिखा था, हैप्पी नो मोर क्रचेज डे। गौरतलब है कि ऋषभ पिछले साल 30 दिसंबर को एक कार हादसे में गंभीर रुप से घायल हो गये थे।

जून में इंटरकॉन्टिनेंटल और सैफ चैंपियनशिप खेलेगी भारतीय फुटबॉल टीम

नई दिल्ली । एशियाई कप को देखते हुए भारतीय टीम भुवनेश्वर में नौ से 18 जून तक हीरो इंटरकॉन्टिनेंटल कप और बेंगलुरु में सैफ चैंपियनशिप में 21 जून से चार जुलाई तक खेलेगी। वहीं इस साल के अंत में भारतीय टीम थाईलैंड में किंग्स कप और मलेशिया में मर्डेका कप में भी शामिल होगी। वहीं (एआईएफएफ) के अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने की योजना को मिडफील्डर लालेंगमाविया राल्टे ने सही करार दिया और कहा है कि इससे टीम को लाभ होगा पर खिलाड़ियों के चोटिल होने की आशंकाएं भी बढ़ जाएंगी। राल्टे ने कहा, ''यह पहली बार है जब भारतीय टीम एक साल में इतने सारे मैच खेलेगी। इससे हमारे खिलाड़ियों को मैदान पर बेहतर तालमेल बिठाने में सहायता मिलेगी क्योंकि हम आमतौर पर अपने राष्ट्रीय टीम के साथ कम ही मैच खेलते हैं।'' इस युवा खिलाड़ी ने कहा, '' फुटबॉल एक टीम खेल है, इसलिए साथ रहना अहम है। इसमें ये जानने की जरूरत है कि कौन सा खिलाड़ी किस तरह से अवसर बनाना पसंद करता है और कहां गेंद चाहता है। ऐसे में हम उसके साथ जितना अधिक खेलेंगे। हमारा समन्वय बेहतर होता जाएगा।''

वेस्टइंडीज और अमेरिका में टी20 सीरीज के लिए मोहित को मिल सकती है जगह

नई दिल्ली । आईपीएल के 16 वें सत्र में शानदार प्रदर्शन करने वाले मोहित शर्मा को अब टीम इंडिया में जगह की उम्मीद है। अब देखना है कि उन्हें 2024 टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह मिलती है या नहीं। मोहित ने अब जुलाई में वेस्टइंडीज और अमेरिका में भारत की पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए भी अपनी दावेदारी पेश की है। हार्दिक पंडया भी मोहित से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराने में सफल रहे और वह भी इस तेज गेंदबाज को राष्ट्रीय स्तर पर भी एक मौका देना चाहेंगे। मोहित सीएसके में महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में खेलने के बाद 10 साल पहले भारतीय टीम में पहुंचे थे। मोहित ने पिछले महीने टाइटन्स के लिए अपना पदार्पण करने के तुरंत बाद कहा था, ''मैंने आईपीएल और भारतीय टीम के साथ करियर का सबसे ज्यादा हिस्सा माही भाई की अगुआई में खेला है। उनके नेतृत्व में ही मैंने अच्छे परिणाम हासिल किये हैं, इसलिये मेरा सर्वश्रेष्ठ निकालने का बड़ा श्रेय उन्हें ही जाता है। उन्होंने कहा था, ''लेकिन मेरे लिये अब यह ज्यादा मायने रखता है कि आप खेल का कितना आनंद उठाते हो। सीएसके के लिए 2013-2016 तक खेलना मेरे करियर का स्वर्णिम समय रहा लेकिन अगर माहौल की बात की जाये तो आईपीएल में यहां (टाइटन्स के साथ) यह सर्वश्रेष्ठ रहा है।

डब्ल्यूटीसी के लिए भारतीय क्रिकेटरों को अब टी20 प्रारुप से बाहर निकलना होगा

-टेस्ट प्रारुप के लिए मानसिक रुप से तैयार होना होगा

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के समाप्त होने के बाद अब क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें इसी साल 7 जून से इंग्लैंड में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनपशिप (डब्ल्यूटीसी) मुकाबले पर टिक गयी हैं। इसमें टीम इंडिया का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। ऐसे में अब भारतीय खिलाड़ियों को टी20 प्रारुप से निकलकर टेस्ट में खेलने अपने को मानसिक रुप से तैयार करना होगा। इसके लिए भारतीय टीम के कई खिलाड़ियों ने इंग्लैंड पहुंचकर तैयारी भी शुरू कर दी है। कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली इंग्लैंड पहुंच गये हैं।

वहीं शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा,शमी जैसे अन्य खिलाड़ी भी अब शीघ्र ही लंदन रवाना होंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले से ही टेस्ट प्रारुप के हिसाब से तैयारियों में लगी है। भारतीय टीम ने हाल में ऑस्ट्रेलिया को टेस्ट मैचों में हराया था पर डब्ल्यूटीसी में उसे कम नहीं माना जा सकता। इसका कारण ये है कि डब्ल्यूटीसी फाइनल इंग्लैंड में आयोजित हो रहा है और वहां के हालत ऑस्ट्रेलियाई टीम के अधिक अनुकूल हैं। मिचेल स्टॉर्क की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्विंग लेती स्थिति में भारतीय बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। टीम इंडिया के कई बल्लेबाजों का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अच्छा रिकॉर्ड है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे अच्छा बल्लेबाजी औसत अक्षर पटेल का है। उन्होंने 4 टेस्ट में 88.00 के औसत से 264 रन बनाये हैं जिसमें तीन अर्धशतक भी शामिल हैं पर अक्षर को भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में जगह मिलना कठिन है। इसका कारण यह है कि इंग्लैंड में टीम इंडिया तीन तेज गेंदबाजों और दो स्पिनरों के संयोजन के साथ मैदान में उतर सकती है। ऐसे में आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले रविन्द्र जडेजा को अक्षर पर वरीयता मिलना तय है।

डब्ल्यूटीसी के लिए अश्विन, रविंद्र जडेजा और ईशान को शामिल करे भारतीय टीम -पोंटिंग

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि अगले माह जून से इंग्लैंड में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भारतीय टीम को अनुभवी स्पिनर आर अश्विन और रविंद्र जडेजा को शामिल करना चाहिये। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर केएस भरत की जगह इशान किशन को रखना चाहिये। पोंटिंग का मानना है कि भारत को अगर ऑस्ट्रेलिया के ऊपर दबाव बनाना है, तो उन्हें अपनी टीम में जितना संभव हो, उतने मैच का रुख बदलने वाले खिलाड़ी (एक्स-फैक्टर) खिलाड़ी को जगह देनी होगी। पोंटिंग के अनुसार जडेजा को नंबर-6 पर बल्लेबाजी के लिए आना चाहिए और उनसे ऊपर सुर्यकुमार यादव को मध्यक्रम की जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

द केरल स्टोरी विवाद पर बोले सुधीर मिश्रा- फिल्म को बैन मत करो, दिक्कत है तो कोर्ट जाओ

फिल्ममेकर सुधीर मिश्रा ने सुदीप्तो सेन की फिल्म द केरल स्टोरी पर हो रहे विवाद और इसके बैन पर रिएक्ट किया है। उन्होंने उन लोगों को करारा जवाब दिया है जो द केरल स्टोरी की आलोचना कर रहे हैं और बैन की मांग कर रहे हैं। सुधीर मिश्रा ने कहा कि बैन के बजाए कोर्ट जाओ।

पिछले दिनों कमल हासन ने सुदीप्तो सेन की फिल्म द केरल स्टोरी को प्रोपेगेंडा फिल्म का नाम दे दिया था। जहां सुदीप्तो सेन ने कमल हासन को हाल ही जवाब दिया था, वहीं अब फिल्ममेकर सुधीर मिश्रा ने रिएक्ट किया है। सुधीर मिश्रा ने द केरल स्टोरी की आलोचना और इसे बैन करने वालों को जवाब दिया है। सुधीर मिश्रा का कहना है कि फिल्म को बैन मत करो, बल्कि आपत्ति है तो कोर्ट जाओ। मालूम हो कि कमल हासन ने हाल ही द केरल स्टोरी पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि वह इस तरह की प्रोपेगेंडा फिल्मों के खिलाफ हैं। किसी फिल्म के नीचे ट्रू स्टोरी जैसी एक लाइन लिख देने से वह सच नहीं हो जाती है। द केरल स्टोरी 5 मई को सिनेमाघरो में रिलीज हुई थी, और तभी से इस पर विवाद हो रहा है। पश्चिम बंगाल के साथ-साथ जहां कुछ राज्यों में द केरल स्टोरी को बैन कर दिया गया था, वहीं कुछ राज्यों ने इसे टैक्स फ्री कर दिया था।

बैन कल्चर के सपोर्ट में नहीं हूं

सुधीर मिश्रा हाल ही कोलकाता में फिल्म अफवाह की स्पेशल स्क्रीनिंग पर मौजूद थे। इस दौरान द केरल स्टोरी पर बंगाल में लगे बैन पर वह बोले, मैंने कभी किसी फिल्म पर बैन लगाने के इस कल्चर का सपोर्ट नहीं किया। अगर आपको फिल्म पसंद नहीं है तो रचनात्मक आलोचना करिए। कोई ठोस वजह लेकर आइए। लेकिन आप फिल्म को बैन नहीं कर सकते।

हम सीनियर चुप रहेंगे तो युवा पीढ़ी का क्या होगा?

ये साली जिंदगी, हजारों ख्वाहिशें ऐसी और चमेली जैसी ऑफ-बीट फिल्में बनाने वाले सुधीर मिश्रा ने सेंसरशिप के मुद्दे पर भी बात की और कहा, अगर आपको किसी फिल्म पर कोई आपत्ति है तो कोर्ट जाएं। लेकिन एक फिल्ममेकर को चुप नहीं कराया जा सकता। हम सीनियर चुप रहेंगे तो युवा पीढ़ी का क्या होगा? उनमें गंभीर मुद्दों पर फिल्म बनाने की हिम्मत भी नहीं होगी।

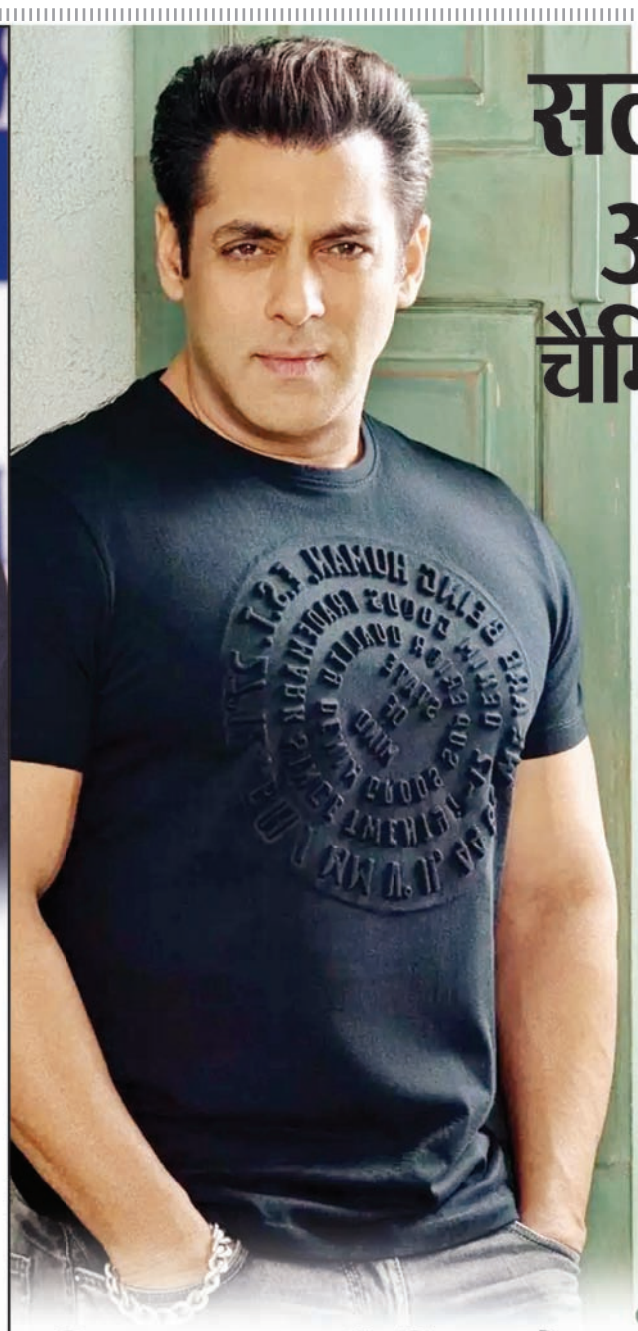

सलमान खान की आमिर खान को चैम्पियन्स के लिए ना

लालसिंह चड्ढा के प्रदर्शन से पूर्व ही यह कहा जा रहा था कि आमिर खान की अगली फिल्म स्पेनिश फिल्म कैम्पियन्स (चैंपियन्स) में काम करेंगे। इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी आर.एस.प्रसन्ना करेंगे। लालसिंह चड्ढा की असफलता के बाद आमिर ने फिल्मों से ब्रेक ले लिया और अपनी इस फिल्म के लिए उन्होंने सलमान खान को चुना। दोनों के बीच इस रीमेक को लेकर बात चल रही थी। अब सलमान ने इस फिल्म को करने ने इनकार कर दिया है, जिसके बाद अब आमिर ने रणबीर को अप्रोच किया है। लाल सिंह चड्ढा के फ्लॉप होने के बाद आमिर खान ने फिल्मों से ब्रेक ले रखा है। पहले वो इस स्पेनिश फिल्म कैम्पियन्स (चैंपियन्स) में काम करने वाले थे, लेकिन अब बतौर एक्टर वो इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं और फिल्म के लिए अच्छे एक्टर की तलाश कर रहे हैं। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट्स के मुताबिक आमिर ने चैपियंस के हिंदी रीमेक में लीड रोल निभाने के लिए सलमान को अप्रोच किया था। इतना ही कहा जा रहा था मार्च तक फिल्म की ऑफिशियल अनाउंसमेंट भी कर दी जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक इंडस्ट्री से जुड़े एक सोर्स ने कहा- सलमान खान कैम्पियन्स (चैंपियन्स) रीमके में काम करने के लिए काफी एक्साइटेड थे। हालांकि, बाद में सलमान को रियलाइज हुआ कि फिल्म उनके दूसरे प्रोजेक्ट्स के बीच आ रही है। डेट्स न मिल पाने के कारण, उन्हें फिल्म से बाहर होना पड़ा। आमिर की यह फिल्म 2018 में आई कैंपियन्स का ऑफिशियल रीमेक है, जो कि एक कॉमेडी ड्रामा है। सलमान के प्रोजेक्ट से बाहर होने के बाद अब आमिर ने रणबीर कपूर से कॉन्टैक्ट किया है। रिपोर्ट्स की मानें तो रणबीर को भी फिल्म का नैरेशन सुनने के बाद पसंद आया है, अगर सब कुछ ठीक रहता है तो रणबीर चैंपियन्स में लीड रोल निभाएंगे। रणबीर इन दिनों एनिमल की शूटिंग में बिजी हैं, दूसरी ओर यह भी कहा जा रहा है कि वे सौरव गांगुली की बायोपिक में भी नजर आ सकते हैं, जिसे लव रंजन और अंकुर गर्ग निर्मित करने वाले हैं।

बिग बजट की फिल्मों में लीड रोल नहीं मिलते

बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी इन दिनों अपनी फिल्म जोगीरा सारा रा रा को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी का कॉमेडी अंदाज नजर आ रहा है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी का कहना है कि उन्हें इस बात का मलाल है कि उन्हें बिग बजट की फिल्मों में लीड रोल नहीं मिला करते हैं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि मनोज बाजपेयी और इरफान खान जैसे कलाकारों के साथ कोई बड़े बजट की फिल्म नहीं बनाई गई। उन्होंने कहा, आज इंडस्ट्री में कई औसत दर्जे के एक्टर्स हैं जिन्हें सिर्फ इसलिए अटेंशन मिलता है क्योंकि उनके पास पैसा और पावरफुल दोस्त हैं। उनके ये दोस्त इंडस्ट्री में उनके लिए मौके बनाते हैं और उनका प्रमोशन भी करते हैं। हम भी ऐसे एक्टर्स के खिलाफ कुछ नहीं बोल सकते क्योंकि इनके पास ताकतवर दोस्त हैं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा, चाहे इरफान खान हो या मनोज बाजपेयी, कोई हमारे साथ बड़ी फिल्म नहीं बनाता। इंडस्ट्री में भले ही हमें महान एक्टर बुलाया जाता है पर कोई हम पर 50 करोड़ रुपए तक इन्वेस्ट नहीं करता। जब हम जैसे एक्टर्स मर जाते हैं तो हमें महान बुलाया जाता है पर जीते जी हमें वो इज्जत नहीं मिलती जिसके हम हकदार है। फिल्म निर्माता हमें बड़े बजट की फिल्मों में लीड रोल ऑफर नहीं करते।

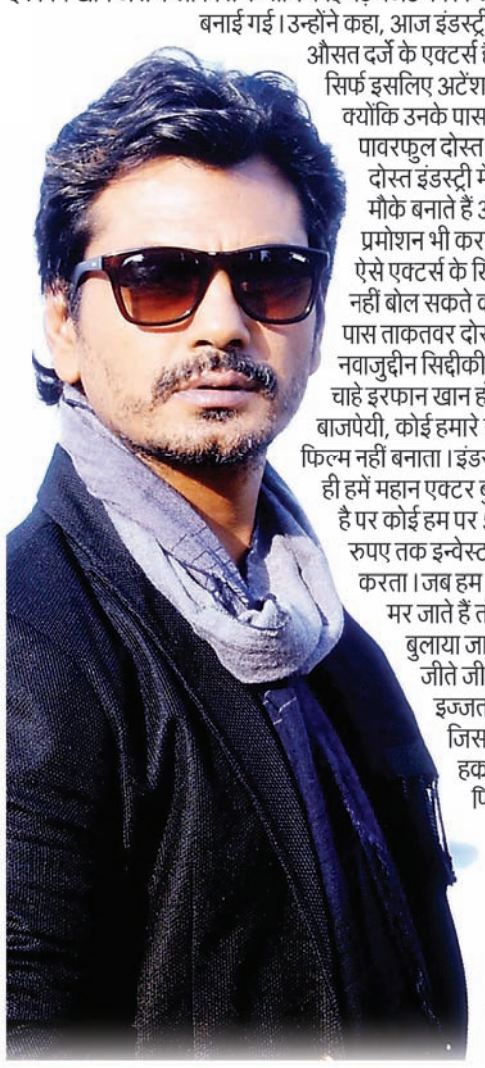

विस्फोट में अपने किरदार से हैरान करेंगे फरदीन

फरदीन खान फिल्म विस्फोट के जरिए बॉलीवुड में कमबैक कर रहे हैं। एक्टर का कहना है कि उन्होंने अपने करियर में कभी भी ऐसी भूमिका नहीं निभायी, जो वो विस्फोट में निभाते नजर आएंगे। एक्टर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी नई फोटो पोस्ट की थी, जो इंटरनेट पर काफी वायरल हुई। आईफा अवार्डस 2023 के मौके पर मीडिया से बात करते हुए एक्टर ने अपनी अपकमिंग फिल्म के बारे में बात की। फरदीन ने कहा- मैं विस्फोट को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मेरे अच्छे दोस्त संजय गुप्ता, जिनके साथ मैंने पहले काम किया है, फिल्म का निर्माण कर रहे हैं और कूकी गुलाटी, जिनके साथ मैंने पहले एक विज्ञापन के लिए शूटिंग की है, इसका निर्देशन कर रहे हैं। फिल्म की कहानी फरदीन के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक पायलट के बेटे का अपहरण कर लेता है, जिसे रितेश देशमुख ने निभाया है। फिल्म के बारे में जानकारी साझा करते हुए अभिनेता ने कहा, यह फिल्म वेनेजुएला की फिल्म रॉक पेपर सिजर्स का हिंदी रीमेक है। मैंने इससे पहले इस तरह की भूमिका करने का प्रयास नहीं किया है। यह 24 घंटे में बताई गई कहानी है, इसलिए यह एक तेज स्पीड वाली क्राइम थ्रिलर है। मैं इसके जल्द रिलीज होने का इंतजार कर रहा हूं।

इंस्पेक्टर अविनाश के लिए रणदीप हुड्डा को ही क्यों चुना गया? डायरेक्टर नीरज पाठक ने बताई वजह

बॉलीवुड डायरेक्टर और राइटर नीरज पाठक इन दिनों अपनी अगली वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश की वजह से चर्चा में हैं। उन्होंने इस फिल्म में रणदीप हुड्डा को कास्ट किया है, जो पहले भी राजा रवि वर्मा, चार्ल्स शोभराज, सरबजीत और सावरकर जैसे दमदार रोल्स निभा चुके हैं।

डिजिटल डेब्यू के लिए आपने इंस्पेक्टर अविनाश को क्यों चुना?

मैं जब ओटीटी पर आया, तो मैंने देखा कि ओटीटी पर जो कॉन्टेंट बन रहा था, वो एलीट क्लास के लिए ज्यादा था। ऐसा कॉन्टेंट कम था, जो पूरे भारतवर्ष में देखा जा सके। तब मेरी मुलाकात अविनाश मिश्रा से हुई, जो यूपी के सुपर कॉप रहे हैं। उनसे मिलते ही मुझे लगा कि यही मेरी कहानी हैं। मैंने उन्हें जांबाज ऑफिसर ही नहीं बल्कि एक इमोशनल इंसान भी पाया, जो क्रिमिनल और पुलिसिंग को एक ही तराजू में तोलने वाले लगे मुझे। उनका मानना था कि एक क्रिमिनल को अगर मौका मिले, तो वो सुधर सकता है और वो अगर अपनी लक्ष्मण रेखा पार कर चुका है, तो फिर मेरी गोली ही उसका हल है। मैंने जब उनसे उनकी कहानी पर वेब सीरीज बनाने की मंशा जाहिर की, तो उन्होंने मुझे तुरंत राइट्स दे दिए। उसके बाद दो -तीन साल तक मैं उनके साथ उठता-बैठता रहा। कहानी लिखी गई और जीयो की ज्योति अग्रवाल को जब कहानी सुनाई गई, तो एक डायलॉग में यह प्रॉजेक्ट ओके हो गया।

रणदीप हुड्डा जैसे अदाकार को आपने इसलिए कास्ट किया, क्योंकि वे राजा रवि वर्मा, चार्ल्स शोभराज, सरबजीत और सावरकर सरीखे रियल लाइफ किरदारों में अपनी खासियत रखते हैं?

आपको एक मजेदार बात बताता हूं। मैं जब अविनाश जी से मिला, तो पहला नाम मेरा जो जेहन में आया, तो वो रणदीप हुड्डा का था। रणदीप की मैनेजर पांचाली मेरी बहन जैसी हैं। मैंने उनसे मीटिंग फिक्स करने कहा। मैं जब उनसे मिलने गया, तो रात के दस बज रहे थे और वो जिम से लौटे थे। उन्होंने गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया और बोले कि मेरी एक ही शर्त है कि आप मुझे पुलिस का रोल मत सुनाना। मैं पुलिस का रोल करके थक चुका हूं, पुलिस के रोल में कुछ होता नहीं है। उनकी यह बात सुनकर मैं हक्का-बक्का रह गया, क्योंकि मैं तो उनके पास पुलिस का ही रोल लेकर गया था। फिर उन्हें लगा कि बिना रोल सुने मुझे वापिस भेजना थोड़ा रूड लगेगा, सो उन्होंने कहा, थोड़ा सुना दीजिए। दो सीन सुनने के बाद वे बोले कि मैं ये सीरीज कर रहा हूं। मैंने उनसे वादा किया कि ये भूमिका आपके करियर के टॉप 3 रोल्स में से होंगे। वाकई रणदीप ने बहुत मेहनत की।अविनाश जी के साथ उन्होंने काफी वक्त गुजारा।

लेखक-निर्देशक के रूप में आपने कई फिल्में कीं, मगर फिर कुछ अरसा ऐसा भी रहा कि आपने बैकसीट ले ली। वजह?

मेरी पिछली फिल्म थी सनी देओल की भैयाजी सुपरहिट, जिसमें बड़ी ऑनसम्बल कास्ट थी। मगर किन्ही कारणों से वो फिल्म खिंच गई। जब कोई फिल्म खिंच जाती है, तो दोष भले डायरेक्टर का न हो, मगर उस पर ठप्पा लग जाता है कि इसने फिल्म बनाने में समय लगा दिया। इसलिए मैंने थोड़ा-सा समय लिया और सोचा कि अब जो बनाऊंगा, अपनी विजन के अनुसार बनाऊंगा। उसका प्रतिफल इंस्पेक्टर अविनाश के रूप में आपके सामने है। इस सीरीज को बनाने का मेरा अनुभव कमाल का रहा है। सभी कलाकारों ने बहुत अच्छा काम किया। कोई भी इनसिक्योर नहीं था और इसका पूरा श्रेय मैं रणदीप को दूंगा। चलती शूटिंग के बीच वे अपने डायलॉग दूसरे कलाकारों को दे देते थे, ताकि किसी को भी ये महसूस न हो कि उसका किरदार कमतर है।

आपकी ये सीरीज एक वास्तविक व्यक्ति पर आधारित है। आज के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में आप किसी मुद्दे पर कहानी बुनना चाहेंगे?

बिल्कुल, क्यों नहीं। मैं भी इसी समाज का हिस्सा हूं। समाज की घटनाएं हमें भी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रभावित करती हैं। हमें भी आवाज उठानी चाहिए, बस इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि कोई भी हर्ट न हो। संविधान आपको ये अधिकार देता है कि आप हर पॉइंट ऑफ व्यू लिखें, मगर सिनेमा के मायने कंस्ट्रक्टिव होने चाहिए। सिनेमा आप लोगों के लिए बनाते हैं, तो कोई आहत नहीं होना चाहिए। पर्सनल ओपिनियन कभी भी पूरी तरह से फिल्म में नहीं डालना चाहिए। सिनेमा एक बहुत ही स्ट्रॉन्ग मीडियम है, मगर इसका उद्देश्य मनोरंजन है, तो आप गंभीर बात को भी हंसते-हंसते कह दें, राजकुमार हिरानी की तरह, तो कोई हर्ट नहीं होगा या जैसे ओ माय गॉड थी। मैं उस तरह के सिनेमा में यकीन करता हूं। जहां तक मेरी अपनी बात है, तो आने वाली तीन -चार फिल्में मैं एंटेरटेनिंग स्पेस में करना चाहता हूं। उसके बाद दर्शकों के सामने मुद्दे वाली फिल्में लाऊंगा।

अगर मैं सिनेमा के स्वर्णिम दौर के निर्देशकों की बात करूं, तो किन फिल्मकारों ने आपको प्रभावित किया है?

-वैसे तो कई हैं, मगर मुझे सुभाष घई की फिल्में बहुत पसंद हैं। वे इंडस्ट्री के शो मैन इसीलिए कहलाते हैं कि उनकी फिल्में और किरदार लार्जर दैन लाइफ होती हैं। वे सिनेमा को एक सेलिब्रेशन की तरह पेश करते हैं। मैंने उनकी परदेस लिखी थी। उसी तरह मैं यश चोपड़ा जी से बहुत मुतासिर रहा। उसके पहले की बात करूं, तो ऋषिकेश मुखर्जी, बिमल रॉय, गुरुदत्त साहब की फिल्मों का मुझ पर बहुत असर रहा। ग्रोइंग ईयर्स में मैं हर अच्छे निर्देशक से प्रभावित रहा और फिर धीरे -धीरे अपनी स्टाइल बनाने की कोशिश की। अब जैसे रोहित शेट्टी एक्शन निर्देशक हैं, मगर गोलमाल के बाद उन्होंने कॉमिडी बनाई और खुद को नए सिरे से खोजा।

पुलिस महान सिनेमाई कैरेक्टर बनाती है

रणदीप हुड्डा इस समय अपने प्रोफेशनल करियर को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। जहां एक तरफ अभिनेता की फिल्म स्वतंत्र वीर सावरकर की चर्चा चारों तरफ हो रही है, वहीं इसके साथ ही रणदीप एक और प्रोजेक्ट के लिए सुर्खियां बटोर रहे हैं। यह एक सीरीज है, जिसका नाम इंस्पेक्टर अविनाश है। इस सीरीज में अभिनेता एक बार फिर पर्दे पर पुलिस की वर्दी पहने धमाल मचाएंगे। अभिनेता ने हाल ही में पुलिस के किरदारों के बारे में बात करते हुए कहा कि वर्दी में लोग हमेशा महान सिनेमाई कैरेक्टर्स बनाते हैं। उत्तर प्रदेश के पुलिस अधिकारी अविनाश मिश्रा के जीवन पर आधारित यह क्राइम थ्रिलर सीरीज रणदीप हुड्डा के किरदार के इर्द-गिर्द ही घूमती है, जो राज्य में अपराधों को रोकने के मिशन पर है। जियो सिनेमा की इस आगामी सीरीज में रणदीप हुड्डा इंस्पेक्टर अविनाश का किरदार निभाते नजर आएंगे। ऐसे में अभिनेता ने एक इंटरव्यू में इसके बारे में खुलकर बात की है। रणदीप हुड्डा का कहना है कि इंस्पेक्टर अविनाश ओटीटी की पुलिस की दुनिया के लिए एक नया एडिशन होने वाला है। वह बोले, पुलिस हमेशा अपने काम के तरीके और उन परिस्थितियों के कारण महान सिनेमाई किरदार बनाती है, जिनमें वे काम करते हैं। इंस्पेक्टर अविनाश एक बहुत ही अलग शो है। उसका अपना रस है। मैं इस किरदार को निभाने का अवसर पाकर बहुत आभारी हूं। श्री अविनाश मिश्रा वास्तविक जीवन में बहुत बड़े हैं, लेकिन शांत और विनम्र हैं। उनके पास चीजों को कहने का एक शानदार तरीका है। वंस अपॉन ए टाइम इन मुंबई, जन्नत 2, किक, बागी 2 और जॉन डे जैसी फिल्मों में पहले पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा चुके रणदीप हुड्डा ने कहा कि स्क्रीन पर पुलिस का किरदार निभाना अब ज्यादा वास्तविक हो गया है। अभिनेता बोले, हम बहुत से शोज में उनके निजी जीवन में गए हैं, जो उन्हें ज्यादा मानवीय बनाता है। यह सिर्फ वर्दी नहीं है, यह उस वर्दी में रहने वाला एक व्यक्ति है और वह व्यक्ति अपनी निजी यात्रा और काम पर जा रहा है। पुलिस के मानवीकरण ने वास्तव में बेहतर समझ पैदा की है कि वे भी उसी संस्कृति और देश से आते हैं। मैंने हमेशा अपने द्वारा निभाए गए सभी पुलिस किरदारों को मानवीय बनाने की कोशिश की है और यह शो मेरे हाथ में एक शॉट था। इंस्पेक्टर अविनाश सनी देओल-स्टारर भाईजी सुपरहिट फेम के नीरज पाठक द्वारा निर्देशित और जियो स्टूडियो द्वारा निर्मित है। रणदीप हुड्डा ने कहा कि वह नीरज पाठक द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट के माध्यम से सीरीज की तरफ आकर्षित हुए, जिन्हें वह एक व्यक्ति के रूप में भी पसंद करते हैं। वह बोले, जब मैं अविनाश जी से मिला, तो मुझे देश के लिए उनकी सेवा के बारे में पता चला। मुझे एहसास हुआ कि वह कितना अलग, रंगीन किरदार था... जैसा मैंने पहले कभी नहीं निभाया था। मैंने इस प्रोजेक्ट पर काम करते हुए दो साल बिताए और अविनाश जी के साथ काफी समय बिताया। मैंने उनके परिवार, साथियों और सीनियर्स से भी बात की। मैं जो कर रहा था उसको एक असलीयत देने में उन्होंने मेरी मदद की। मिठास, दबंगपन, अकड़, लहजा... मेरा किरदार सब उनसे प्रेरित था। यह वास्तव में मददगार था। मुझे इतना समय देने और इसे जीवन में लाने में मेरी मदद करने के लिए मैं उनका आभारी हूं।